25 अप्रैल 2026
शनिवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

छह बाइक, तीन राज्य और एक मास्टरमाइंड : सिमरी में अंतरराज्यीय बाइक चोर गिरोह का भंडाफोड़ 2

एक नजर

जाली दस्तावेजों से 20 करोड़ की कमाई

नई दिल्ली। ईडी ने एक अप्रैल को गुजरात के वडोदरा स्थित त्रिपाठी के परिसर में पीएमएलए, 2002 की धारा 17 के तहत तलाशी ली थी। इसमें कई आपत्तिजनक दस्तावेज और उपकरण जब्त किए गए। 9.36 लाख रुपये की खाता शेष राशि फ्रीज कर दी गई है। इससे पहले उक्त मामले में, ईडी ने मेसर्स जेजीएफपीपीएल के प्रबंध निदेशक किशन मोदी को 13 मार्च को पीएमएलए, 2002 के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया था। वे अभी न्यायिक हिरासत में हैं।ईडी ने मेसर्स जयश्री गायत्री फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशकों और अधिकारियों के खिलाफ आईपीसी, 1860 की विभिन्न धाराओं के तहत भोपाल के हबीबगंज पुलिस स्टेशन और ईओडब्ल्यू, भोपाल द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की है।पीएमएलए के तहत जांच में पता चला है कि कंपनी के पूर्व सीईओ सुनील त्रिपाठी ने जाली दस्तावेजों को तैयार करने, निर्यात कार्यों की निगरानी करने और अपराध की आय उत्पन्न करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

शादी से लौट रही कार ट्रक से टकराई 5 की मौत

भंडारा। महाराष्ट्र के भंडारा जिले से एक हृदयविदारक घटना सामने आई है, जहाँ एक तेज रफ्तार कार और ट्रक के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर में पाँच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि कार सवार सभी लोग एक विवाह समारोह में शामिल होकर अपने घर लौट रहे थे।प्राप्त जानकारी के अनुसार, दुर्घटना भंडारा जिले के मुख्य राजमार्ग पर हुई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और वह मलबे के ढेर में तब्दील हो गई।विपरीत दिशा से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने कार को जोरदार टक्कर मारी। कार में सवार पाँचों व्यक्तियों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। शवों की स्थिति इतनी खराब थी कि उन्हें निकालने के लिए गैस कटर और स्थानीय लोगों की मदद लेनी पड़ी।मृतकों के परिजनों में इस खबर के बाद कोहराम मच गया है। जो परिवार कुछ घंटों पहले तक शादी के जश्न में डूबा हुआ था, वहाँ अब केवल चीख-पुकार सुनाई दे रही है।

बंगाल का गौरव लौटाने के लिए तृणमूल से आजादी जरूरी : प्रधानमंत्री मोदी

- **बंगाल को भ्रष्टाचार और सिंडिकेट की बेड़ियों से मुक्त करना उनकी प्राथमिकता**
- **टीएमसी को 'नारी विरोधी' करार देते हुए कहा कि राज्य में बेटियों पर हो रहे अत्याचारों को अब और बर्दाश्त नहीं किया जाएगा**

एजेंसी। कोलकाता

पश्चिम बंगाल के दमदम में जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा बंगाल में परिवर्तन की जो लहर दिख रही थी, कल पहले चरण के मतदान ने उस पर मुहर लगा दी है। पीएम मोदी ने कहा कि कल भाजपा के पक्ष में जो समर्थन दिखा है, उसने भाजपा की विजय का शंखनाद कर दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि बंगाल का गौरव फिर से लौटाने के लिए, बंगाल को फिर से अवसरों की भूमि बनाने के लिए तृणमूल कांग्रेस के भय, भ्रष्टाचार, सिंडिकेट, पलायन, बेरोजगारी और बेकारी और घुसपैठियों, बेटियों पर अत्याचार से आजादी बहुत जरूरी है। बंगाल में रैली के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पहले चरण के मतदान ने बंगाल में भाजपा की विजय का शंखनाद कर दिया है। उन्होंने टीएमसी को नारी विरोधी पार्टी करार दिया और टीएमसी पर भ्रष्टाचार, सिंडिकेट को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।

तृणमूल के भय, भ्रष्टाचार से आजादी जरूरी

प्रधानमंत्री ने कहा कि बंगाल का गौरव फिर से लौटाने के लिए, बंगाल को फिर से अवसरों की भूमि बनाने के लिए तृणमूल कांग्रेस के भय, भ्रष्टाचार, सिंडिकेट, पलायन, बेरोजगारी और बेकारी और घुसपैठियों, बेटियों पर अत्याचार से आजादी बहुत जरूरी है। प्रधानमंत्री ने टीएमसी पर तगड़ा हमला करते हुए कहा बंगाल में टीएमसी ने लोकतंत्र के मंदिर को कुचल दिया था। पहले चरण के मतदान में जनता ने लोकतंत्र के मंदिर का पुनर्निमाण कर दिया है और दूसरे चरण में इस मंदिर पर विजय ध्वज फहराना है। पीएम मोदी ने कहा कि टीएमसी का दीया बुझने से पहले फड़फड़ा रहा है। 4 मई को नतीजे आने के बाद टीएमसी के गुंडों को बंगाल में छुपने की जगह नहीं मिलेगी।

ये क्रांति की बेला है और वोट से ही क्रांति होगी

प्रधानमंत्री ने कहा, गुलामी की बेड़ियां तोड़ने के लिए नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने राष्ट्र का आह्वान किया था– तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हे आजादी दूंगा। ये बंगाल में नई क्रांति की बेला है और ये क्रांति वोट से होगी। मैं बंगाल की जनता से अपील करता हूं कि आप हमें वोट रूपी आशीर्वाद दीजिए, हम मिलकर बंगाल को अनेक कष्टों से आजादी दिलाएंगे। टीएमसी नारी विरोधी पार्टी है। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार पर हमला तेज करते हुए पीएम मोदी ने कहा, ऱटीएमसी ने बंगाल में लोकतंत्र की मयार्दाओं को कुचलने का काम किया है। लेकिन पहले चरण में जनता ने जो साहस दिखाया है, वह लोकतंत्र के मंदिर के पुनर्निर्माण की नींव है। अब दूसरे चरण में हमें इस पर विजय का झंडा फहराना है।उन्होंने एक कड़ा संदेश देते हुए कहा कि 4 मई को चुनावी नतीजे आने के बाद अराजक तत्वों को छिपने की जगह नहीं मिलेगी। उन्होंने टीएमसी की वर्तमान स्थिति की तुलना 'बुझने से पहले फड़फड़ाते दीपक' से की।

बंगाल में 16 जिलों की 152 सीटों पर विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 1478 उम्मीदवार का हुआ फैसला

आप को बड़ा झटका, राघव चड्ढा समेत राज्यसभा के सात सांसदों ने थामा कमल

- **भाजपा के सांसदों की संख्या 106 से बढ़कर 113 हो जाएगी**
- **भाजपा मुख्यालय में राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात कर विधिवत पार्टी की सदस्यता ग्रहण की**
- **दो तिहाई सांसदों के भाजपा में शामिल होने से उनकी राज्यसभा की सदस्यता बरकरार रहेगी**

एजेंसी। नई दिल्ली

अगले साल पंजाब में होने वाले विधानसभा चुनाव के पहले आम आदमी पार्टी (आप) को बड़ा झटका लगा है। राघव चड्ढा समेत राज्यसभा के सात सांसदों ने आप को छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया है। राघव चड्ढा ने भाजपा में शामिल होने का एलान करते हुए कहा कि वे सातों सांसदों के हस्ताक्षर के साथ दो-तिहाई सांसदों के भाजपा में विलय का नोटिस राज्यसभा के सभापति को पहले ही दे चुके हैं। कांस्टिट्यूशन क्लब में इसकी घोषणा करने के बाद भाजपा मुख्यालय में राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात कर विधिवत पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। दो तिहाई सांसदों के भाजपा में शामिल होने से उनकी राज्यसभा की सदस्यता बरकरार रहेगी। दरअसल संविधान की 10वीं अनुसूची में बनाए गए नियमों के तहत किसी पार्टी के सदन के दो-तिहाई सदस्यों के एक साथ दूसरी पार्टी में विलय की स्थिति में दलबदल निरोधी कानून लागू नहीं होता है। सात सांसदों के पार्टी छोड़ने के बाद राज्यसभा में आप के केवल तीन सांसद रह जाएंगे। वहीं भाजपा के सांसदों की संख्या 106 से बढ़कर 113 हो जाएगी।

स्वाति और राघव ने जताई थी आप से नाराजगी

भाजपा में शामिल होने वाले सांसदों में स्वाति मालिवाल लंबे समय से पार्टी से अलग–थलग थी। मुख्यमंत्री के आवास में निजी सचिव विभव कुमार द्वारा की गई मारपीट के लिए उन्होंने सीधे तौर पर केजरीवाल को जिम्मेदार ठहराया था। वह विभिन्न मुद्दों पर केजरीवाल और आप के खिलाफ मुखर भी रहती थी। वहीं राघव चड्ढा राज्यसभा में पार्टी के उपनेता पद से हटाए जाने से पार्टी के साथ उनकी दूरियां खुलकर सामने आ गई थी। लेकिन अशोक मित्तल, संदीप पाठक, हरभजन सिंह, रजिंदर गुप्ता और विक्रम साहनी की पार्टी से नाराजगी सामने नहीं आई थी। यहां तक अशोक मित्तल को पार्टी ने कुछ दिनों पहले ही राघव चड्ढा की जगह राज्यसभा में पार्टी के उपनेता बनाया था। पार्टी छोड़ने ऐलान के समय राघव चड्ढा के बगल में अशोक मित्तल भी बैठे थे। पार्टी छोड़ते हुए राघव चड्ढा और संदीप पाठक ने खुलकर अपनी नाराजगी जताई।

राघव चड्ढा ने पीएम मोदी की नीतियों की तारीफ की

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों की तारीफ करते हुए आम जनता के मुद्दे संसद में उठाते रहने का भरोसा दिया। आइआइटी में प्रोफसर का कैरियर छोड़कर आए संदीप पाठक ने भी आप की मौजूदा कार्यप्रणाली से नाराजगी जताते हुए पिछले आठ–नौ महीने से राजनीति छोड़ने पर विचार कर रहे थे, लेकिन अंतत भाजपा के जुड़कर जनता की सेवा करने का फैसला किया।

15 साल के तृणमूल शासन का होगा अंत, खिलेगा कमल : : नितिन नवीन

एजेंसी। नई दिल्ली

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने दावा किया कि उनकी पार्टी बंगाल विधानसभा चुनाव में "पूर्ण बहुमत" के साथ जीत हासिल करेगी और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के 15 वर्षों के तृणमूल कांग्रेस के शासन का अंत करेगी।उन्होंने यह भी विश्वास व्यक्त किया कि तमिलनाडु में द्रमुक को सनातन रोधी मानसिकता की कीमत चुकानी होगी। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने गुरुवार को एक टीवी चैनल को दिए साक्षात्कार में कहा,'बंगाल भाजपा के पक्ष में "सरप्राइज जनादेश" देने जा रहा है, जो तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस के सभी "खेलों" को अस्वीकार करेगा। सौ प्रतिशत भाजपा पहली बार बंगाल में अपनी सरकार बनाएगी। राज्य के लोगों के मूड को देखते हुए भाजपा पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगी।उन्होंने कहा कि वर्तमान संकेतों के आधार पर मुझे विश्वास है कि हम वहां पूर्ण बहुमत के साथ अपनी सरकार बनाएंगे।बाकी राज्यों पर उन्होंने कहा कि इस बार सभी राज्यों में भाजपा के लिए परिस्थितियां बेहतर हैं। असम और पुडुचेरी में हम निश्चित रूप से अपनी सरकार दोहराएंगे।तमिलनाडु में राजग की जीत पर विश्वास व्यक्त करते हुए नवीन ने कहा कि सत्तारूढ़ द्रमुक के भ्रष्टाचार और सनातन विरोधी मानसिकता के खिलाफ जनता की नाराजगी बढ़ रही है। अन्नाद्रमुक के साथ भाजपा की भूमिका सहायक की है। द्रमुक को बड़ा चुनावी झटका लग सकता है।

सीईसी ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग

- **कांग्रेस समेत विपक्ष के 73 सांसदों ने दिया नोटिस**

एजेंसी। नई दिल्ली

नई दिल्ली। देश के मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ 73 विपक्षी सांसदों ने राज्यसभा में महाभियोग चलाने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए राष्ट्रपति को एक नोटिस सौंपा है। कांग्रेस के संचार प्रभारी जयराम रमेश ने यह जानकारी देते हुए बताया कि सांसदों ने राष्ट्रपति को संबोधित एक पत्र में मुख्य चुनाव आयुक्त को उनके पद से हटाने की मांग की है। सांसदों द्वारा सौंपे गए नोटिस में मुख्य चुनाव आयुक्त पर 'सिद्ध कदाचार' का आरोप लगाया गया है। यह कदाचार 15 मार्च 2026 को या उसके बाद किए गए कार्यों और चूक से संबंधित है। इस आरोप को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 324 (5) के साथ-साथ अनुच्छेद 124 (4) के तहत, मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम, 2023 की धारा 11 (2) और न्यायाधीश (जांच) अधिनियम, 1968 के तहत वर्णित किया गया है।जयराम रमेश के अनुसार, मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ नौ विशिष्ट आरोप हैं, जिन्हें विस्तृत रूप से प्रलेखित किया गया है और जिन्हें नकारा या छिपाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त का पद पर बने रहना संविधान पर हमला है और यह अत्यंत शर्मनाक है कि वह प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के इशारों पर काम कर रहे हैं।

बक्सर रेलखंड पर दो दिन मेगा ब्लॉक, कई ट्रेनों का समय बदला

■ **ब्रिज मरम्मत और ओएचई कार्य के कारण 26-27 अप्रैल को देरी, री-शेड्यूलिंग व नियंत्रण, यात्रियों को पहले जांचने की सलाह**

केटी न्यूज/डुमरांव
दानापुर मंडल के बक्सर स्टेशन पर रेलवे द्वारा मरम्मत और तकनीकी कार्य के चलते 26 व 27 अप्रैल को ट्रैफिक तथा ओएचई (ओवरहेड इलेक्ट्रिक) ब्लॉक लिया जाएगा। इस दौरान कई महत्वपूर्ण ट्रेनों के परिचालन पर असर पड़ेगा। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से यात्रा शुरू करने से पहले ट्रेन की ताजा स्थिति अवश्य जांच लेने की अपील की है।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार बक्सर यार्ड स्थित ब्रिज संख्या 339 पर पुराने स्टील गर्डर को हटाकर नया पीएससी स्लैब लगाया जाएगा। साथ ही आरसीसी बेड ब्लॉक का भी प्रतिस्थापन किया जाएगा। सुरक्षा मानकों के तहत यह कार्य अप और डाउन दोनों लाइनों पर चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा, इसलिए ट्रेनों का परिचालन प्रभावित रहेगा।

ब्लॉक का असर 25 अप्रैल से ही शुरू हो जाएगा। आनंद विहार से चलने वाली 13258 दानापुर जनसाधारण एक्सप्रेस को आरा जंक्शन तक ही चलाया जाएगा। वहीं 26 अप्रैल को यह ट्रेन आरा से 13257 बनकर आनंद विहार के लिए रवाना होगी। इससे आरा और बक्सर के बीच सफर करने वाले यात्रियों को परेशानी हो सकती है।

26 अप्रैल को अप लाइन पर कई ट्रेनों को बीच रास्ते नियंत्रित किया जाएगा। 13041 हिमगिरी एक्सप्रेस को बिहटा और डुमरांव के बीच लगभग 120 मिनट रोका जाएगा। 12391 श्रमजीवी एक्सप्रेस करीब 100 मिनट, 12142 पटनाझ्रएलटीटी एक्सप्रेस 90 मिनट तथा 11016 सहरसाझ्र एलटीटी एक्सप्रेस 75 मिनट तक विलंबित रहेगी। इसके अलावा 13237 पटनाझ्रकोटा एक्सप्रेस को 40 मिनट तथा 12792 दानापुरझ्र सिकंदराबाद एक्सप्रेस को आरा से डुमरांव के बीच 20 मिनट नियंत्रित किया जाएगा।

27 अप्रैल को डाउन लाइन पर भी असर रहेगा। 13038 देहरादूनझ्रहावड़ा कुंभ एक्सप्रेस 26 अप्रैल को देहरादून से दो घंटे देरी से खुलेगी। 63220 बक्सरझ्रपटना पैसेंजर 27 अप्रैल को बक्सर से दो घंटे 25 मिनट विलंब से रवाना होगी। वहीं 12791 सिकंदराबादझ्र दानापुर एक्सप्रेस, 13238 कोटाझ्र पटना एक्सप्रेस तथा 01143 एलटीटीझ्रदानापुर स्पेशल को भी विभिन्न स्टेशनों के बीच नियंत्रित किया जाएगा।

रेलवे प्रशासन ने कहा है कि जरूरत पड़ने पर अन्य ट्रेनों को भी नियंत्रित किया जा सकता है। अधिकारियों ने बताया कि यह कार्य यात्रियों की सुरक्षा और बेहतर रेल संचालन के लिए जरूरी है। कार्य पूरा होने के बाद इस रेलखंड पर ट्रेनों की आवाजाही अधिक सुरक्षित और सुचारू हो सकेगी।

एक नजर

बक्सर में गैस आपूर्ति पर प्रशासन सख्त, कालाबाजारी रोकने को लगातार छापेमारी

बक्सर। जिले में घरेलू गैस की आपूर्ति व्यवस्था सुचारु रखने तथा जमाखोरी-कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए प्रशासन लगातार निगरानी कर रहा है। जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने बताया कि बक्सर जिले में इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कंपनियों के तहत कुल 27 गैस एजेंसियां संचालित हैं। इनमें इंडियन ऑयल की 13, भारत पेट्रोलियम की 6 तथा हिंदुस्तान पेट्रोलियम की 8 एजेंसियां शामिल हैं। जिले में घरेलू गैस उपभोक्ताओं की संख्या भी बड़ी है। इंडियन ऑयल के 2 लाख 2 हजार 360, भारत पेट्रोलियम के 57 हजार 517 तथा हिंदुस्तान पेट्रोलियम के 90 हजार 668 उपभोक्ता हैं। 13 मार्च 2026 से 23 अप्रैल 2026 तक कुल 1 लाख 95 हजार 508 गैस सिलेंडरों का वितरण किया जा चुका है, जबकि 23 अप्रैल तक एजेंसियों के पास 4 हजार 39 सिलेंडर शेष थे। जिले में प्रतिदिन औसत मांग 6 हजार 419 सिलेंडर है, जबकि औसतन 5 हजार 535 सिलेंडरों की आपूर्ति हो रही है। वर्तमान में 24 हजार 208 रीफिल बुकिंग लंबित हैं, जिससे लगभग 4.3 दिन का बैकलॉग बना हुआ है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शहरी क्षेत्रों में अंतिम डिलीवरी के 25 दिन बाद तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन बाद ही नया सिलेंडर बुक कराया जा सकेगा। इससे अनावश्यक बुकिंग और कृत्रिम संकट पर रोक लगेगी। कालाबाजारी रोकने के लिए सभी गैस एजेंसियों पर दंडाधिकारी और पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। वरीय अधिकारियों द्वारा लगातार गैस एजेंसियों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की जांच की जा रही है। अब तक जमाखोरी और कालाबाजारी के मामले में दो प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। 23 अप्रैल को आठ गैस एजेंसियों और अन्य प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण भी किया गया। जन समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए जिला नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। गैस आपूर्ति संबंधी शिकायतों के लिए दूरभाष संख्या 06183-223333 जारी की गई है। अब तक कुल 1 हजार 223 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें 1 हजार 161 का निष्पादन कर दिया गया है। प्रशासन ने अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है। साथ ही विवाह एवं श्राद्ध कार्यक्रमों के लिए वाणिज्यिक गैस उपलब्ध कराने की विशेष व्यवस्था भी लागू की गई है। बक्सर अनुमंडल में 284 तथा डुमरांव अनुमंडल में 259 आवेदन प्राप्त हुए हैं।

नगर परिषद नहीं करा रही है फागिंग मच्छरों से परेशान है शहरवासी

डुमरांव। नगर परिषद क्षेत्र में फॉगिंग नहीं होने से आम जनता परेशान है। नगर के सभी 35 वार्डों में मच्छरों का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे लोगों में बीमारियों का डर बना हुआ है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद अब तक फॉगिंग की कोई व्यवस्था नहीं की गई है। गर्मी और बदलते मौसम के कारण मच्छरों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। ऐसे में डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों के फैलने की आशंका बढ़ गई है। वार्डवासियों ने बताया कि शाम होते ही मच्छरों का आतंक इतना बढ़ जाता है कि घर के अंदर रहना भी मुश्किल हो जाता है। नगर परिषद की लापरवाही को लेकर लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। कई वार्डों के लोगों ने आरोप लगाया कि सफाई व्यवस्था भी चरमराई हुई है, जिससे नालियों में गंदा पानी जमा रहता है और यही मच्छरों के पनपने का मुख्य कारण बन रहा है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से जल्द से जल्द सभी वार्डों में नियमित फॉगिंग कराने और सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि अगर समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। इस संबंध में नगर परिषद के अधिकारियों से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उनका पक्ष नहीं मिल सका। अब देखना यह है कि प्रशासन कब तक इस समस्या पर ध्यान देता है और आम जनता को राहत मिलती है।

छह बाइक, तीन राज्य और एक मास्टरमाइंड: सिमरी में अंतरराज्यीय बाइक चोर गिरोह का भंडाफोड़

■ **एकौना में दो दौर की छापेमारी से खुला नेटवर्क, यूपी-कर्नाटक तक से चोरी गई गाड़ियां बरामद, मुख्य आरोपी अमित यादव फरार**

केटी न्यूज/सिमरी
डुमरांव अनुमंडल पुलिस ने सिमरी थाना क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय बाइक चोर गिरोह का पदार्फाश किया है। दो चरणों में की गई ताबड़तोड़ छापेमारी में पुलिस ने कुल छह मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। इनमें पांच बाइक चोरी की निकलीं, जबकि एक बाइक वैध कागजात मिलने के बाद उसके असली मालिक को सौंप दी गई। इस कार्रवाई ने साफ कर दिया है कि क्षेत्र में लंबे समय से सक्रिय वाहन चोर गिरोह सुनियोजित तरीके से कई राज्यों तक अपना नेटवर्क फैलाकर काम कर रहा था। इस पूरे मामले का मुख्य आरोपी एकौना गांव निवासी अमित कुमार यादव बताया जा रहा है, जो पुलिस की दबिश से पहले ही फरार हो गया। उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी जारी है। कार्रवाई का नेतृत्व एसडीपीओ पोलस्त कुमार ने किया, जिसे पुलिस की बड़ी सफलता माना जा रहा है। पुलिस के अनुसार कुछ दिन पहले गुप्त सूचना मिली थी कि अमित यादव के घर और आसपास संदिग्ध मोटरसाइकिलें छिपाकर रखी गई हैं। सूचना मिलते ही सिमरी थाना पुलिस ने पहली छापेमारी की। इस दौरान आरोपी के घर से दो बाइक बरामद की गईं, जिनमें एक टीवीएस एक्सएल और एक हीरो स्प्लेंडर शामिल थी। हालांकि पुलिस के पहुंचने से पहले आरोपी फरार हो चुका था। दो दिन बाद पुलिस ने उसी इलाके में दोबारा घेराबंदी कर सघन तलाशी अभियान चलाया। इस बार चार और बाइक बरामद हुईं। इनमें टीवीएस रेडियन, हीरो होंडा सीडी डीलक्स और बजाज डिस्कवर जैसी गाड़ियां शामिल हैं। कई बाइकों पर नंबर प्लेट तक नहीं लगी थी, जबकि कुछ वाहनों के इंजन और चेसिस नंबर से छेड़छाड़ के संकेत मिले हैं। इससे साफ है कि गिरोह चोरी की गाड़ियों की पहचान मिटाकर उन्हें बेचने की तैयारी में था। बरामद वाहनों को थाना लाकर जिला परिवहन कार्यालय, बक्सर से सत्यापन कराया गया। रिपोर्ट आने पर चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि बरामद बाइकें अलग-अलग जिलों और राज्यों से चोरी की गई थीं। इनमें उत्तर प्रदेश के बलिया, बिहार के रोहतास और कर्नाटक जैसे दूरस्थ राज्य तक की मोटरसाइकिलें शामिल हैं। जांच में सामने आया कि एक बाइक बलिया निवासी शौकत अंसारी के नाम पर दर्ज है, दूसरी बिक्रमगंज निवासी विवेकानंद कुमार की है, तीसरी कर्नाटक निवासी मुस्तफा के नाम पर है, जबकि चौथी बाइक बलिया के जापलिनगंज निवासी राजेश प्रसाद की निकली। एक अन्य बाइक का डाटा सिस्टम में नहीं मिला, जिससे उसकी जांच और तेज कर दी गई है। छठी बाइक के मामले में पुलिस को जानकारी मिली कि आरोपी अमित यादव ने करीब आठ-दस दिन पहले एकौना निवासी संजय कुमार प्रधान से बाइक मांगकर ली थी, लेकिन लौटाई नहीं। संजय कुमार प्रधान द्वारा कागजात दिखाने के बाद पुलिस ने वाहन उन्हें वापस कर दिया। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार अमित यादव का आपराधिक इतिहास पुराना है। उसके खिलाफ पहले भी सिमरी थाना में बाइक चोरी और अन्य गंभीर धाराओं में केस दर्ज हैं। वर्ष 2009 में भी उस पर कई धाराओं में प्राथमिकी दर्ज हुई थी। अब इस मामले में पुनः कांड संख्या 92/26 के तहत नया केस दर्ज किया गया है। एसडीपीओ पोलस्त कुमार ने बताया कि गिरोह के अन्य सदस्यों की पहचान की जा रही है। यह पता लगाया जा रहा है कि चोरी की बाइकें आरोपी तक कौन पहुंचाता था और किन इलाकों में उनकी सप्लाई की जाती थी। साथ ही अनुमंडल क्षेत्र में पहले दर्ज बाइक चोरी के मामलों को भी इस केस से जोड़कर जांच की जा रही है। इस कार्रवाई के बाद इलाके में पुलिस के प्रति भरोसा बढ़ा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि इसी तरह लगातार अभियान चलता रहा तो वाहन चोरी की घटनाओं पर कड़ा नियंत्रण लगेगा। फिलहाल पुलिस फरार अमित यादव की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। अधिकारियों का दावा है कि जल्द ही पूरे गिरोह का खुलासा कर दिया जाएगा।

नुआंव में खिड़की का ग्रिल काटकर लाखों के गहनों पर हाथ साफ, सोते रहे लोग और घर में मचता रहा तांडव

■ **कमरे में घुसे चोरों ने बक्सा-अटैची तोड़ी, सोना-चांदी लेकर फरार, पुलिस और एफएसएल टीम ने शुरू की जांच**

केटी न्यूज/कृष्णाब्रह्म
स्थानीय थाना क्षेत्र के नुआंव गांव में गुरुवार की रात चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए खिड़की का ग्रिल काटकर अंदर प्रवेश किया और लाखों के गहनों पर हाथ साफ कर दिया। अपराधियों ने कमरे में रखे बक्सा और अटैची का ताला तोड़कर उसमें रखे सोने-चांदी के गहने चोरी कर लिए और आराम से फरार हो गए। सुबह जब परिवार की नींद खुली तो घर के अंदर का नजारा देख सभी के होश उड़ गए।

जानकारी के अनुसार, रात में परिवार के सभी सदस्य खाना खाने के बाद अपने-अपने स्थान पर सो गए थे। महिलाएं कमरों में थीं, जबकि पुरुष सदस्य दलान में सो रहे थे। एक महिला छत पर सोने चली गई थी। इसी बीच आधी रात के बाद चोरों ने घर की खिड़की का ग्रिल काटा और चुपके से कमरे में दाखिल हो गए। घर के अंदर घुसने के बाद चोरों ने जमकर उत्पात मचाया। कमरे में रखे बक्से और अटैची को तोड़ दिया गया। उसमें रखे सोने-चांदी के गहने समेटकर चोर मौके से फरार हो गए। वारदात के दौरान घर के किसी सदस्य को भनक तक नहीं लगी।

सुबह जब गृहस्वामी के पुत्र ने दरवाजा खुलवाने के लिए आवाज लगाई तो अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। शक होने पर बाहर से जाकर देखा गया तो खिड़की का ग्रिल कटा हुआ था। अंदर झांकने पर कमरे का सामान बिखरा पड़ा था। इसके बाद परिवार के लोग अंदर पहुंचे तो बक्सा और अटैची का टूटा ताला देखकर चोरी की पुष्टि हुई। घटना के बाद घर में अफरा-तफरी मच गई और ग्रामीणों की भीड़ जुट गई।

सूचना मिलते ही स्थानीय थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। बाद में बक्सर से एफएसएल टीम भी पहुंची, जिसने मौके से कई नमूने एकत्र किए। पुलिस तकनीकी और वैज्ञानिक जांच के सहारे चोरों तक पहुंचने की कोशिश में जुटी है।

कृष्णाब्रह्म प्रभारी थानाध्यक्ष सुनील कुमार साह ने बताया कि चोरी की घटना हुई है, लेकिन अभी तक गृहस्वामी द्वारा लिखित आवेदन नहीं दिया गया है। आवेदन मिलने और सूची सौंपे जाने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि कितने मूल्य के गहनों की चोरी हुई है। लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। लोगों ने रात में गश्ती बढ़ाने और जल्द खुलासे की मांग की है।

सम्राट चौधरी सरकार ने विधानसभा में हासिल किया विश्वासमत, भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह

केटी न्यूज/बक्सर
मुख्यमंत्री बनने के बाद सम्राट चौधरी ने बिहार विधानसभा में सफलतापूर्वक विश्वासमत हासिल कर लिया। इस राजनीतिक घटनाक्रम के बाद राज्य की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। सत्ता पक्ष ने इसे सरकार की स्थिरता और जनविश्वास का प्रमाण बताया है।

विश्वासमत मिलने पर बक्सर भाजपा नेताओं और कार्यकताओं ने खुशी जाहिर की। भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन ने कहा कि यह जीत सरकार की नीतियों, मजबूत नेतृत्व और जनता के भरोसे का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बिहार विकास, सुशासन और पारदर्शिता के नए दौर में प्रवेश कर चुका है।

उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष लगातार बेबुनियाद आरोप लगाकर सरकार की छवि खराब करने का प्रयास कर रहा है, लेकिन जनता सच्चाई को समझती है। उन्होंने कहा कि सरकार गांव, गरीब, किसान, युवा और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए ठोस कदम उठा रही है।

विधानसभा में हुए विश्वासमत के दौरान सत्ता पक्ष के विधायकों ने एकजुटता दिखाते हुए बहुमत के साथ सरकार के पक्ष में मतदान किया। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष राम कुमार सिंह, राजवंश सिंह, राणा प्रताप सिंह तथा विजय कुमार सिंह उर्फ भोला सिंह ने विश्वासमत मिलने पर मुख्यमंत्री को बधाई दी।

उन्होंने कहा कि सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे और निवेश को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। आने वाले समय में राज्य में रोजगार के नए अवसर सृजित किए जाएंगे तथा युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

बक्सर सदर विधायक आनंद मिश्रा ने भी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बिहार तेजी से विकास की राह पर आगे बढ़ेगा और राज्य को नई पहचान मिलेगी। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल सत्ता में बने रहना नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग तक विकास की रोशनी पहुंचाना है।

खुशी व्यक्त करने वालों में अनिल पांडेय, चुन्नु सिंह, मीना कुशवाहा, इंदु देवी, पुनीत सिंह, विनोद राय, धनंजय त्रिगुण, लक्ष्मण शर्मा, भुटेली तिवारी, ओमज्योति भगत, संध्या पांडेय, रेखा शर्मा, मनोज पांडेय, रमेश गुप्ता, दीपक पांडेय तथा जिला मीडिया प्रभारी उमाशंकर राय सहित दर्जनों कार्यकर्ता शामिल रहे।

डुमरांव में जनगणना 2027 की तैयारी तेज, प्रगणकों को डिजिटल सर्वे का दिया जा रहा प्रशिक्षण

- **घर-घर गणना, मोबाइल ऐप संचालन और सटीक आंकड़ा संकलन पर जोर, बीडीओ ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा**

केटी न्यूज/डुमरांव

जनगणना 2027 को सफल, पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से डुमरांव प्रखंड में प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों का चरणबद्ध प्रशिक्षण अभियान तेज कर दिया गया है। प्रशासन की देखरेख में चल रहे इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में शिक्षकों और नामित कर्मियों को जनगणना से जुड़ी सभी प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी दी जा रही है, ताकि आगामी सर्वेक्षण कार्य सुचारू रूप से संपन्न कराया जा सके। शुक्रवार को प्रशिक्षण का अंतिम दिन था, इस दौरान सभी प्रशिक्षणार्थियों को संचालित कर रहे संचालन नवनीत कुमार, अशोक कुमार सहित छह प्रशिक्षकों द्वारा किया जा रहा है। प्रशिक्षकों ने प्रतिभागियों को घर-घर जाकर सर्वेक्षण करने की विधि, परिवारों से सही जानकारी प्राप्त करने के तरीके, डेटा संकलन की वैज्ञानिक प्रक्रिया तथा फील्ड कार्य के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में विस्तार से बताया। अधिकारियों का कहना है कि जनगणना केवल आंकड़ों का संकलन नहीं, बल्कि भविष्य की योजनाओं की आधारशिला है।

प्रशिक्षण में आधुनिक तकनीक के उपयोग पर विशेष जोर दिया जा रहा है। प्रगणकों को मोबाइल ऐप और पोर्टल के माध्यम से डेटा एंट्री, ऑनलाइन रिपोर्टिंग तथा डिजिटल माध्यम से सूचनाओं के सुरक्षित संप्रेषण की प्रक्रिया सिखाई जा रही है। इसके साथ ही स्व-गणना व्यवस्था की भी जानकारी दी जा रही है, ताकि इच्छुक नागरिक स्वयं अपनी जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकें और प्रक्रिया को अधिक सरल बनाया जा सके। प्रशिक्षक नवनीत कुमार ने बताया कि जनगणना कार्य के दौरान प्रगणकों का व्यवहार भी महत्वपूर्ण होता है। इसलिए प्रतिभागियों को नागरिकों से सहज संवाद, शिष्टाचारपूर्ण व्यवहार और भरोसेमंद तरीके से जानकारी लेने के तौर-तरीके भी सिखाए जा रहे हैं।

इसी क्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी संदीप कुमार पाण्डेय ने प्रशिक्षण केंद्र पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने उपस्थित प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों से संवाद कर प्रशिक्षण की गुणवत्ता, उपस्थिति और अनुशासन की समीक्षा की। बीडीओ ने कहा कि जनगणना राष्ट्रीय महत्व का कार्य है, जिसे पूरी जिम्मेदारी, ईमानदारी और समयबद्ध तरीके से पूरा करना सभी की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रशिक्षण में बताई गई सभी प्रक्रियाओं को गंभीरता से समझा जाए, ताकि वास्तविक कार्य के दौरान किसी प्रकार की त्रुटि न हो। उन्होंने कहा कि जनगणना से प्राप्त आंकड़े सरकार की विकास योजनाओं, संसाधनों के वितरण, शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत संरचना से जुड़ी नीतियों को दिशा देते हैं। ऐसे में प्रत्येक सूचना का सही और पारदर्शी संकलन अत्यंत आवश्यक है।

महिला आरक्षण लागू करने और आरियांव कांड में न्याय की मांग को लेकर डुमरांव में विरोध मार्च

- **भाकपा माले व ऐपवा ने केन्द्र सरकार पर लगाया वादाखिलाफी का आरोप, अपराध नियंत्रण पर भी उठाए सवाल**

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव शहर में शुक्रवार को भाकपा माले एवं अखिल भारतीय प्रगतिशील महिला एसोसिएशन (ऐपवा) के संयुक्त तत्वावधान में महिला आरक्षण कानून को तत्काल लागू करने तथा आरियांव में छात्रा हत्या मामले में न्याय की मांग को लेकर विरोध मार्च निकाला गया। मार्च भाकपा माले कार्यालय से शुरू होकर शहर के मुख्य मार्ग, गोला रोड, शहीद पार्क होते हुए नया थाना पहुंचा, जहां सभा आयोजित की गई।

सभा की अध्यक्षता खेग्रामस जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान ने की, जबकि संचालन माले नेता ललन राम ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाकपा माले जिला सचिव नवीन कुमार ने कहा कि संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए महिला आरक्षण कानून को बिना किसी शर्त के तत्काल लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि केन्द्र सरकार ने वर्ष 2023 में महिला आरक्षण कानून पारित तो किया, लेकिन इसे जनगणना और परिसीमन से जोड़कर लागू करने में अनावश्यक देरी की जा रही है।

उन्होंने कहा कि महिलाओं को लंबे समय से राजनीतिक प्रतिनिधित्व दिलाने की मांग उठती रही है, लेकिन सरकार इसे लागू करने के बजाय राजनीतिक लाभ के लिए प्रचार का माध्यम बना रही है। उन्होंने मांग की कि महिला आरक्षण में दलित, पिछड़ी एवं वंचित वर्ग की महिलाओं की हिस्सेदारी भी सुनिश्चित की जाए, ताकि सभी वर्गों को समान अवसर मिल सके।

सभा में नेताओं ने प्रस्तावित परिसीमन प्रक्रिया पर भी चिंता जताई। वक्ताओं ने कहा कि यदि राज्यों की सहमति और व्यापक विमर्श के बिना सीटों का पुनर्निर्धारण किया गया, तो इससे संघीय ढांचे पर असर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि इस तरह के फैसले सभी पक्षों से विचार-विमर्श के बाद ही लिए जाने चाहिए।

वक्ताओं ने बक्सर जिले में बढ़ते अपराध पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में जिले में लगातार आपराधिक घटनाएं बढ़ी हैं, जिससे आम लोगों में भय का माहौल है। आरियांव गांव में 15 वर्षीय छात्रा की घर में घुसकर गोली मारकर हत्या किए जाने की घटना का उल्लेख करते हुए नेताओं ने दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी, पीड़ित परिवार को न्याय और सुरक्षा की मांग की।

विरोध मार्च के दौरान कार्यकर्ताओं ने महिला आरक्षण तत्काल लागू करने, जातीय जनगणना के आंकड़े सार्वजनिक करने, दलित-पिछड़ी महिलाओं को आरक्षण में हिस्सेदारी देने तथा आरियांव कांड के आरोपितों की गिरफ्तारी को लेकर नारेबाजी की।

मार्च का नेतृत्व डुमरांव माले सचिव धर्मेंद्र सिंह यादव, भगवान दास, शंकर तिवारी, शैलेन्द्र पासवान, बाबूलाल राम, प्रभात कुमार, अरविंद यादव, सुरेन्द्र कुशवाहा, ऊषा देवी, मनोज राम और रिंकू कुरैशी ने संयुक्त रूप से किया।

कार्यक्रम में चनकलिया देवी, राधेश्याम शर्मा, अनिल राय सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

एक नजर

28 अप्रैल को बक्सर में रोजगार शिविर, 100 पदों पर होगी भर्ती

बक्सर। प्रभारी जिला नियोजन पदाधिकारी बक्सर से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला नियोजनालय की ओर से 28 अप्रैल को रोजगार शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर संयुक्त श्रम भवन, आईटीआई फील्ड स्थित जिला नियोजनालय कार्यालय परिसर में पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक चलेगा। शिविर में निजी कंपनी एलाइट फूड्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा कुल 100 पदों पर भर्ती की जाएगी। कंपनी की ओर से उत्पाद सहायक के 50 पद तथा पैकिंग सहायक के 50 पदों पर नियुक्ति की जाएगी। चयनित अभ्यर्थियों को हाथ में मिलने वाला मासिक वेतन 16 हजार से 18 हजार रुपये तक होगा। इसके अलावा अतिरिक्त समय कार्य करने पर अलग से भुगतान की व्यवस्था भी रहेगी। यह सुविधा 12 घंटे की पाली में कार्य करने वाले कर्मियों के लिए लागू होगी। इन पदों के लिए आयु सीमा 18 से 42 वर्ष निर्धारित की गई है। शैक्षणिक योग्यता आठवीं, दसवीं तथा औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) उत्तीर्ण रखी गई है। चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति तमिलनाडु के होसुर (बेंगलुरु के निकट) तथा केरल राज्य के त्रिशूर और कोच्चि जिलों में की जाएगी। कंपनी की ओर से चयनित युवाओं को निःशुल्क आवास, भोजन तथा साप्ताहिक अवकाश दिया जाएगा। साथ ही कर्मचारी राज्य बीमा, भविष्य निधि, उपदान तथा कारखाना अधिनियम के अनुसार बोनस जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। रोजगार शिविर में अभ्यर्थियों का उनकी योग्यता के अनुसार स्थल पर ही चयन किया जाएगा। शिविर में भाग लेने के लिए जिला नियोजनालय में निबंधन अनिवार्य है। जिन अभ्यर्थियों का अब तक निबंधन नहीं हुआ है, वे राष्ट्रीय करियर सेवा पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण करा सकते हैं। शिविर में प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क रहेगा। इच्छुक अभ्यर्थी अपने जीवन-वृत्त, आधार कार्ड तथा आवश्यक प्रमाण पत्रों के साथ निर्धारित तिथि पर उपस्थित हो सकते हैं। प्रभारी जिला नियोजन पदाधिकारी ने जिले के बेरोजगार युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि नियोजनालय की भूमिका पूरी प्रक्रिया में केवल सुविधा प्रदाता की है, नियुक्ति संबंधी शर्तों के लिए नियोजक स्वयं जिम्मेदार होंगे।

चक्की थाना में पेयजल संकट गहराया, गर्मी में फरियादियों और पुलिसकर्मियों की बढ़ी मुश्किलें

चक्की। भीषण गर्मी के बीच चक्की थाना परिसर में पेयजल की समुचित व्यवस्था नहीं होने से फरियादियों और पुलिसकर्मियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। थाना परिसर में एक भी चापाकल नहीं होने के कारण यहां आने वाले लोगों को पानी के लिए बाहर लगी जलापूर्ति टंकी पर निर्भर रहना पड़ता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि थाना परिसर के बाहर नल-जल योजना के तहत पानी की टंकी लगी है, लेकिन तेज धूप और गर्मी के कारण टंकी का पानी गर्म हो जाता है, जिससे उसे पीना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में थाना आने वाले फरियादी घंटों इंतजार के दौरान पानी के लिए इधर-उधर भटकते नजर आते हैं। फरियाद लेकर पहुंचे कई लोगों ने बताया कि थाना परिसर में बैठने और पीने के पानी की उचित व्यवस्था नहीं होने से उनकी दिक्कतें बढ़ जाती हैं। खासकर बुजुर्ग, महिलाएं और दूर-दराज से आने वाले लोगों को ज्यादा परेशानी उठानी पड़ती है। वहीं थाना में तैनात पुलिसकर्मियों ने भी बताया कि उन्हें अपनी जरूरत के लिए बाहर से पानी की बोतल मंगवानी पड़ती है। लगातार ड्यूटी और तेज गर्मी के बीच ठंडे पानी की सुविधा नहीं होने से कामकाज पर भी असर पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि थाना परिसर आम जनता और प्रशासन के संपर्क का प्रमुख केंद्र होता है, ऐसे में यहां मूलभूत सुविधाओं का अभाव चिंता का विषय है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि थाना परिसर में शीघ्र चापाकल, वाटर कूलर अथवा ठंडे पेयजल की स्थायी व्यवस्था कराई जाए, ताकि आने वाले लोगों और पुलिसकर्मियों को राहत मिल सके।

अरियांव हत्याकांड : 48 घंटे बाद भी मुख्य आरोपी फरार, पीड़ित परिवार में बढ़ी नाराजगी

- **प्रवीण उपाध्याय की गिरफ्तारी नहीं होने से परिजनों में दहशत, सुरक्षा और न्याय की मांग तेज**

केटी न्यूज/कृष्णाब्रह्म

कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के अरियांव गांव में किशोरी की गोली मारकर हत्या किए जाने के चर्चित मामले में घटना के 48 घंटे बीत जाने के बाद भी मुख्य आरोपी प्रवीण उपाध्याय उर्फ धनु उपाध्याय पुलिस गिरफ्त से बाहर है। मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होने से पीड़ित परिवार में मायूसी छा गई है, वहीं गांव में भी तरह-तरह की चचाएँ तेज हो गई हैं। परिजनों ने पुलिस कार्रवाई की रफ्तार पर सवाल उठाते हुए जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। मालूम हो कि बुधवार दोपहर अरियांव गांव में दिनदहाड़े घर का दरवाजा खुलते ही किशोरी को गोली मार दी गई थी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। इस सनसनीखेज वारदात के बाद मृतका की मां के बयान पर प्रवीण उपाध्याय, प्रकाश उपाध्याय तथा परमहंश उपाध्याय के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी परमहंश उपाध्याय को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, लेकिन मुख्य आरोपी अब तक फरार है। पीड़ित परिवार का कहना है कि मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होने से उन्हें लगातार खतरा महसूस हो रहा है। परिवार के सदस्यों ने बताया कि आरोपी पक्ष पहले भी धमकी दे चुका है। ऐसे में जब तक मुख्य आरोपी गिरफ्तार नहीं होता, तब तक परिवार दहशत में जीने को मजबूर है। परिजनों ने प्रशासन से सुरक्षा उपलब्ध कराने की भी मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि दिनदहाड़े हुई हत्या ने पूरे इलाके को झकझोर दिया है। घटना के बाद गांव में भय का माहौल है। लोगों का मानना है कि यदि जल्द गिरफ्तारी नहीं हुई तो अपराधियों का मनोबल बढ़ेगा। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से सख्त कार्रवाई कर आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार करने की मांग की है।

सूत्रों के अनुसार पुलिस संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी कर रही है और आरोपी की तलाश में कई स्थानों पर दबिश दी जा रही है। हालांकि अब तक सफलता नहीं मिलने से पीड़ित परिवार और स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले को गंभीरता से लिया गया है और फरार आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। वहीं पीड़ित परिवार की नजर अब पुलिस की अगली कार्रवाई पर टिकी हुई है।

पीडीएस दुकानों पर चला विशेष जांच अभियान

- **डीएम साहिला के निर्देश पर अफसरों ने की छापेमारी, उपभोक्ताओं से पूछी खाद्यान्न वितरण की हकीकत**

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी साहिला के निर्देश पर शुक्रवार को जिले भर में जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) दुकानों पर विशेष निरीक्षण अभियान चलाया गया। बिहार लक्ष्यित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश, 2016 की कंडिका-20 के तहत चलाए गए इस अभियान में वरीय पदाधिकारियों ने विभिन्न प्रखंडों की राशन दुकानों पर पहुंचकर व्यवस्थाओं की गहन जांच की। प्रशासन की इस सख्त कार्रवाई से डीलरों में हड़कंप मचा रहा। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने दुकानों पर उपलब्ध खाद्यान्न स्टॉक, वितरण पंजी, लाभुकों की सूची, इलेक्ट्रॉनिक प्वाइंट ऑफ सेल (ई-पॉस) मशीन, वजन मशीन तथा अन्य अभिलेखों की जांच की। कई स्थानों पर अधिकारियों ने लाभुकों से सीधे बातचीत कर यह जानने का प्रयास किया कि उन्हें समय पर राशन मिल रहा है या नहीं, निर्धारित मात्रा में अनाज दिया जा रहा है या नहीं तथा किसी प्रकार की अतिरिक्त राशि तो नहीं वसूली जा रही।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली में किसी भी प्रकार की अनियमितता, कालाबाजारी, घटतौली या लाभुकों के शोषण को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जहां भी शिकायतें मिलीं, वहां संबंधित दुकानदारों को चेतावनी दी गई और सुधार का निर्देश दिया गया। गंभीर गड़बड़ी पाए जाने पर कार्रवाई की अनुशंसा भी की गई है।

जिलाधिकारी साहिला ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों तक खाद्यान्न समय पर और पारदर्शी तरीके से पहुंचे। इसके लिए नियमित निगरानी के साथ-साथ आकस्मिक जांच अभियान भी जारी रहेगा। उन्होंने आम लोगों से अपील की कि यदि राशन वितरण में किसी प्रकार की गड़बड़ी सामने आती है तो तत्काल प्रशासन को सूचना दें, ताकि दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जा सके।

प्रशासन की इस मुहिम से लाभुकों में भरोसा बढ़ा है। लोगों ने उम्मीद जताई कि ऐसे निरीक्षण अभियान लगातार चलते रहे तो राशन वितरण व्यवस्था और मजबूत होगी तथा पात्र परिवारों को उनका हक समय पर मिल सकेगा। जिले में चले इस अभियान को जनहित में बड़ा कदम माना जा रहा है।

बक्सर में 9 मई की राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारी तेज, समाधान समारोह को लेकर डीएलएसए की बैठक

- **पारा विधिक स्वयंसेवकों और पैनल अधिवक्ताओं को मिला जिम्मा, घर-घर पहुंचाकर देंगे सुलह व कानूनी सहायता की जानकारी**

केटी न्यूज/बक्सर

जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डीएलएसए) बक्सर ने वर्ष 2026 की द्वितीय राष्ट्रीय लोक अदालत तथा नालसा प्रायोजित ह्लसमाधान समारोहह्व कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को डीएलएसए कार्यालय परिसर में अवर न्यायाधीश-सह-सचिव नेहा दयाल की अध्यक्षता में जिले में कार्यरत पारा विधिक स्वयंसेवकों और पैनल अधिवक्ताओं की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में सचिव ने कहा कि आम लोगों को त्वरित, सरल और सुलभ न्याय उपलब्ध कराना न्याय व्यवस्था की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और सर्वोच्च न्यायालय के मार्गदर्शन में समाधान समारोह आयोजित किया जा रहा है, जिसके माध्यम से आपसी सहमति और संवाद से लंबित मामलों का निपटारा किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि यह अभियान 21 अप्रैल से प्रारंभ हो चुका है, जबकि इसका समापन अगस्त माह में विशेष लोक अदालत के आयोजन के साथ होगा। इस दौरान ऐसे मामलों की पहचान कर पक्षकारों को समझौते के लिए प्रेरित किया जाएगा, जिनका समाधान बातचीत और सहमति से संभव है। बैठक में विशेष रूप से सर्वोच्च न्यायालय में लंबित पारिवारिक विवाद, दुर्घटना दावा, चेक बाउंस, भू-अधिग्रहण, श्रम विवाद तथा सुलहनीय आपराधिक मामलों को प्राथमिकता देने पर जोर दिया गया। सचिव ने कहा कि ऐसे मामलों के पक्षकार यदि चाहें तो मध्यस्थता केंद्रों के माध्यम से आपसी सहमति से विवाद समाप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि इसके लिए सर्वोच्च न्यायालय की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इच्छुक पक्षकार निर्धारित प्रपत्र भरकर इस प्रक्रिया में शामिल हो सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 31 मई निर्धारित की गई है।

बैठक में मौजूद पारा विधिक स्वयंसेवकों को निर्देश दिया गया कि वे नोटिस वितरण के दौरान संबंधित पक्षकारों को मध्यस्थता, लोक अदालत और समाधान समारोह के लाभों की जानकारी दें। उन्हें बताया जाए कि लंबी अदालती प्रक्रिया, समय और खर्च से बचने के लिए लोक अदालत एक प्रभावी विकल्प है।

सचिव ने कहा कि 9 मई को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंक ऋण, बिजली बिल, पारिवारिक विवाद, मोटर दुर्घटना दावा, राजस्व वाद समेत कई मामलों का निपटारा आपसी सहमति से किया जाएगा। अधिक से अधिक मामलों के निष्पादन के लिए सभी संबंधित कर्मियों को सक्रिय भूमिका निभाने का निर्देश दिया गया है।

बैठक में सत्यम पांडे, मुंतज़िर अहमद, कविंद्र पाठक, प्रिया कुमारी, नीतू कुमारी, अजीत कुमारी, अनिल गुप्ता, शिवदयाल पांडे, अंजुम कुमार रावत सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

घर के बाहर से ई-रिक्शा ले उड़े चोर, परिवार पर टूटा संकट

केटी न्यूज/बक्सर

मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मित्रलोक कॉलोनी में चोरी की एक ऐसी वारदात सामने आई है, जिसने एक मेहनतकश परिवार की रोजी-रोटी पर सीधा वार कर दिया। बीती रात घर के बाहर खड़ी ई-रिक्शा अज्ञात चोर चुरा ले गए। सुबह जब चालक की नींद खुली तो दरवाजे पर खड़ी रहने वाली उसकी कमाई की गाड़ी गायब थी। यह देख परिवार के होश उड़ गए। जानकारी के अनुसार नगर थाना क्षेत्र के चीनी मिल निवासी स्वर्गीय नन्दू केशरी के पुत्र अभिषेक केशरी मित्रलोक कॉलोनी में किराये के मकान में रहते हैं। अभिषेक ई-रिक्शा चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। रोज की तरह वह रात में अपनी ई-रिक्शा घर के बाहर खड़ी कर सोने चले गए थे। इसी दौरान चोरों ने मौका पाकर वाहन पर हाथ साफ कर दिया। सुबह बाहर निकलते ही ई-रिक्शा गायब देख अभिषेक के पैरों तले जमीन खिसक गई। उन्होंने आसपास काफी देर तक खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। चोरी की खबर मिलते ही स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई और इलाके में दहशत का माहौल बन गया। पीड़ित ने मुफस्सिल थाना पहुंचकर मामले की लिखित शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस आवेदन मिलने के बाद जांच में जुट गई है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि चोरों तक पहुंचा जा सके। अभिषेक ने पुलिस से जल्द वाहन बरामद कराने की गुहार लगाई है। उनका कहना है कि ई-रिक्शा ही परिवार की आय का एकमात्र सहारा था। वाहन चोरी होने से पूरे परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।

लापरवाही : पटना जाने के दौरान बीच रास्ते में एंबुलेंस में तेल खत्म, इलाज के इंतजार में मरीज की तड़पकर हुई मौत

एजेंसी। पटना

बिहार के जमुई जिले में सिस्टम की गंभीर लापरवाही का एक दर्दनाक मामला सामने आया है, जहां इलाज के लिए पटना ले जा रही एंबुलेंस का बीच रास्ते में तेल खत्म हो गया। घंटों तक एंबुलेंस सड़क किनारे खड़ी रहने के दौरान मरीज तड़पता रहा और इलाज के अभाव में उसकी मौत हो गई। यह घटना जमुई सदर अस्पताल से जुड़ी है और सिकंदरा-शेखपुरा मुख्य मार्ग पर मतासी के पास हुई। मृतक की पहचान झाझा प्रखंड के बाबू बांक गांव निवासी 75 वर्षीय धीरज रविदास के रूप में हुई है। मृतक के पुत्र अजीत रविदास ने एंबुलेंस सेवा

देने वाली जेन प्लस कंपनी और चालक पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। उन्होंने इस मामले की शिकायत सिविल सर्जन, एसपी और डीएम से करने के साथ-साथ एफआईआर दर्ज कराने की बात कही है। परिजनों के अनुसार, धीरज रविदास की तबीयत दो दिन पहले अचानक बिगड़ी थी। पहले झाझा में प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जमुई सदर अस्पताल लाया गया, जहां सीटी स्कैन में सिर में ब्लड जमने की पुष्टि हुई। डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए उन्हें पटना रेफर कर दिया था। दोपहर करीब 1:11 बजे एंबुलेंस पटना के लिए रवाना हुई थी। रास्ते में सिकंदरा में चालक ने 100 का डीजल भरवाया, लेकिन मतासी के पास पहुंचते ही लगभग 1:40 बजे एंबुलेंस का तेल खत्म हो गया और वाहन बीच सड़क पर खड़ा रह गया। अजीत रविदास ने बताया कि चालक ने तेल लाने में देरी की बात कही, लेकिन इस दौरान भीषण गर्मी में मरीज की हालत लगातार बिगड़ती गई और करीब 3:31 बजे उसकी मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि इस दौरान न तो कोई वैकल्पिक एंबुलेंस की व्यवस्था की गई और न ही समय पर मदद मिली। बाद में दूसरी एंबुलेंस की मदद से शव को सदर अस्पताल लाया गया। वहीं, जेन प्लस कंपनी के एसीओ (जिला क्लस्टर लीडर) नीतीश कुमार ने कहा कि चालक के पास भारत पेट्रोलियम का कार्ड था, लेकिन संबंधित पंप पर तेल उपलब्ध नहीं होने के कारण ईंधन नहीं मिल सका। उन्होंने कहा कि कार्ड आधारित व्यवस्था में उसी कंपनी के पंप से तेल लेना होता है और मामले की जानकारी उच्च अधिकारियों को दी जाएगी। सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार ने कहा कि उन्हें फिलहाल इस घटना की पूरी जानकारी नहीं है, लेकिन यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो मामले की गंभीरता से जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

मिड-डे मील खत्म होते ही स्कूल बंद , रजौली में गुरुजी का 'रफूचक्कर' प्लान देख दंग रह गई अभिभावक

केटी न्यूज। नवादा

ई-शिक्षा कोष एप का शिक्षकों ऑनलाइन हाजिरी की खुल रही पोल

बिहार की शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए सरकार भले ही हर दिन नए फरमान जारी कर रही हो, लेकिन नवादा जिले में जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है मामल रजौली प्रखंड अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय पसरैला में शिक्षकों की ऐसी मनमानी सामने आई है जिसने पूरे महकमे को कटघरे में खड़ा कर दिया है यहां स्कूल की पढ़ाई बच्चों के भविष्य पर नहीं,बल्कि गुरुजी के मूड पर टिकी है।

मिड-डे मील खिलाते ही जड़ दिया ताला : सड़क पर सन्नाटा और स्कूल के गेट पर लटका यह ताला किसी रविवार की छुट्टी का नहीं, बल्कि एक भरे-पूरे कार्य दिवस का है शुक्रवार को सुबह स्कूल तो खुला, लेकिन तैनात चार शिक्षकों में से केवल एक शिक्षिका ही ड्यूटी पर पहुंचीं.रस्म अदायगी के लिए बच्चों को बुलाया गया और मिड-डे मील का खाना खिलाया गया जैसे ही बच्चों ने खाना खत्म किया, उन्हें 'ट्रेनिंग' का बहाना बनाकर घर भेज दिया गया और शिक्षकों ने खुद स्कूल में ताला जड़कर घर की राह पकड़ ली बच्चों का कहना है कि उन्हें जबरन छुट्टी देकर बाहर निकाल दिया गया।

मोबाइल में डूबे गुरुजी, पढ़ाई के नाम पर खानापूर्ति

स्थानीय अभिभावकों व बच्चों ने जो आरोप लगाए हैं, वे और भी ज्यादा गंभीर हैं मोहल्ले वालों का कहना है कि स्कूल में रहने के दौरान भी शिक्षक बच्चों को पढ़ाने के बजाय अपने मोबाइल फोन में डूबे रहते हैं अगर कोई मासूम बच्चा अपनी जिज्ञासा लेकर शिक्षकों के पास जाता है या क्लास में शोर होता है,तो उसे समझाने के बजाय ऑफिस में कुर्सी पर बैठे-बैठे ही रहा जाते है । और शिक्षक के द्वारा बोला जाता है हम इतने सारे बच्चे को कैसे संभाल पाएंगे। और ऑफिस में ही ऑफिस का काम का कर बच्चों की पढ़ाई को बाधित कर दिया जाता है। इस मामले को लेकर इस संबंध में स्कूल के प्रधानाध्यापिका निशा सिन्हा से फोन के माध्यम से जानकारी ली गई तो उन्होंने कहा कि मैं कुछ जरूरी काम से नवादा चला आया हूं। लेकिन स्कूल में एक शिक्षक के भरोसे मैं विद्यालय उनके ऊपर छोड़कर आया था लेकिन मुझे नहीं पता कि स्कूल में बच्चों की छुट्टी दी दी गई है।

क्या कहते हैं अधिकारी

रजौली प्रखंड प्रभारी शिक्षा पदाधिकारी राकेश कुमार ने कहा कि शिक्षकों की इस मनमानी और लापरवाही की गूंज अब जिला प्रशासन के गलियारों तक पहुंच चुकी है उन्होंने कहा कि इस मामले को बेहद गंभीरता से लिया जाएगा जैसे ही मामला उनके संज्ञान में आया,उन्होंने तुरंत पूरी रिपोर्ट तलब कर ली है शुरूआती जांच में दोषी पाए जाने पर विद्यालय के हेडमास्टर को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

जाम खुलवाना पड़ा भारी : आरा में पुलिस-ग्रामीण भिड़ंत, चेकपोस्ट फूंका, ट्रकों में तोड़फोड़

केटी न्यूज/आरा

बिहार में सड़क जाम हटाने पहुंची पुलिस और ग्रामीणों के बीच अचानक झड़प हो गई। जाम कर रहे लोग आक्रोशित हो उठे और मौके पर हंगामा शुरू हो गया। आक्रोशित भीड़ ने ट्रकों और चेकपोस्ट को निशाना बनाया। करीब 50 से अधिक ट्रकों के शीशे तोड़ दिए गए, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने खैरा चेकपोस्ट पर रखे ड्रम, चौकी और कुर्सियों में आग लगा दी। आगजनी की इस घटना से स्थिति और ज्यादा बिगड़ गई। हंगामे के दौरान कुछ ग्रामीणों ने पुलिसकर्मियों के साथ हाथापाई भी की। हालात को काबू में करने में पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। घटना के समय मृतक का शव सड़क पर ही रखा हुआ था। पुलिस और ग्रामीण आमने-सामने डटे रहे, जिससे माहौल बेहद तनावपूर्ण बना रहा। सूचना मिलते ही एसडीपीओ कृष्ण कांत सिंह, बीडीओ जनार्दन तिवारी और थाना अध्यक्ष सुबोध कुमार मौके पर पहुंचे और हालात को नियंत्रित करने में जुट गए।

ग्रामीणों ने रखीं चार बड़ी मांगें

प्रदर्शन कर रहे लोगों ने पुलिसकर्मियों के निलंबन, 112 वाहन के स्टाफ पर कार्रवाई, दिन में नो-एंट्री लागू करने और डंपर वाहनों पर सख्ती की मांग की।

मुआवजे की भी उठी मांग

ग्रामीणों ने मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा देने की भी मांग रखी और कहा कि बिना कार्रवाई के जाम नहीं हटेगा।

तनावपूर्ण स्थिति, पुलिस की निगरानी जारी

खैरा में हालात अभी भी तनावपूर्ण बने हुए हैं। पुलिस लगातार निगरानी कर रही है और स्थिति सामान्य करने का प्रयास जारी है।

नवोदय विद्यालय में 10वीं के छात्र की संदिग्ध मौत, परिजनों ने जतायी हत्या की आशंका

केटी न्यूज। जमुई

जमुई जिले के नवोदय विद्यालय में शुक्रवार को एक बेहद दुखद और चिंताजनक घटना सामने आई, जहां 10वीं कक्षा के एक छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। विद्यालय प्रशासन इसे आत्महत्या बता रहा है, वहीं परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए शहर के कचहरी चौक पर शव रखकर जोरदार प्रदर्शन किया और सड़क जाम कर दिया। इस घटना से पूरे इलाके में शोक के साथ-साथ भारी आक्रोश का माहौल है। मृतक छात्र की पहचान बरहट थाना क्षेत्र के फुलवरिया गांव निवासी सरकारी शिक्षक तारकेश्वर प्रसाद के 14 वर्षीय पुत्र आनंद कुमार के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, छात्र को विद्यालय के बाथरूम से गंभीर हालत में बाहर निकाला गया और आनन-फानन में जमुई सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही सदर एसडीपीओ सतीश सुमन पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन सभी बिंदुओं पर गहराई से जांच की जा रही है।विद्यालय के शिक्षक अजय कुमार के अनुसार, आनंद छठी कक्षा से ही नवोदय विद्यालय में पढ़ाई कर रहा था और पढ़ाई में काफी मेधावी था। वर्ष 2025 में वह इंटरसिप के विशेष क्लास के लिए एक साल असम गया था और हाल ही में घर लौटने के बाद बीते रविवार को ही दोबारा विद्यालय आया था। वहीं, विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुजीत कुमार ने बताया कि उन्होंने 1 अप्रैल 2026 को ही पदभार संभाला है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार छात्र कुछ समय से अकेलापन महसूस कर रहा था और हाल ही में घर से लौटा था। उन्होंने आशंका जताई कि मानसिक या पारिवारिक दबाव भी एक कारण हो सकता है, हालांकि स्थिति अभी स्पष्ट नहीं है। इधर, परिजनों ने इस घटना को सिरे से खारिज करते हुए हत्या का आरोप लगाया है। मृतक के चाचा ओमप्रकाश कुमार ने कहा कि बाथरूम में पंखा नहीं होने के बावजूद आत्महत्या की बात समझ से परे है। उन्होंने दावा किया कि छात्र के शरीर पर मारपीट के निशान और सिर पर चोट के स्पष्ट संकेत हैं। आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने कचहरी चौक पर घंटों सड़क जाम कर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और निष्पक्ष जांच की मांग की। इस दौरान प्रजापति समाज के प्रदेश सचिव शैलेश कुमार ने भी विद्यालय प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि यह आत्महत्या नहीं, बल्कि पिटाई के बाद की गई हत्या प्रतीत होती है। राजद जिला अध्यक्ष डॉ. त्रिवेणी यादव ने मौके पर पहुंचकर परिजनों को सांत्वना दी और डीएम नवीन से फोन पर बात कर निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने की मांग की।

एक नजर

मनहर गांव में शादी के बचे हुए मिठाई खाने से दर्जनों बच्चे बीमार,अस्पताल में अफरा-तफरी

रजौली। रजौली थाना क्षेत्र के मनहर गांव में शादी की खुशियां उस वक्त चिंता में बदल गईं, जब बासी मिठाई खाने से करीब दर्जन भर मासूम बच्चे अचानक बीमार पड़ गए। जानकारी के अनुसार, गांव निवासी ओंकार सिंह के बेटे की शादी 20 तारीख को हुई थी। शादी के बाद बची मिठाइयों को 23 तारीख को गांव में बांट दिया गया। मिठाई खाने के कुछ ही देर बाद बच्चों को पेट दर्द, उल्टी,गैस और बेचैनी की शिकायत होने लगी। धीरे-धीरे कई बच्चे एक साथ बीमार पड़ने लगे, जिससे गांव में अफरा-तफरी मच गई। परिजन घबराए हुए बच्चों को गोद में उठाकर देर रात करीब 12 बजे रजौली अनुमंडल अस्पताल पहुंचे। बीमार बच्चों में नीरज कुमार,पलक कुमारी समेत करीब दर्जन भर से ऊपर कई अन्य शामिल हैं। अस्पताल में तैनात डॉक्टर सूरज कुमार ने सभी का प्राथमिक उपचार किया। डॉक्टर के अनुसार सभी बच्चे अब खतरे से बाहर हैं, लेकिन एहतियात के तौर पर निगरानी में रखा गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मिठाई संभवतः बासी हो चुकी थी, जिससे फूड पॉइजनिंग की स्थिति बनी। इस घटना ने एक बार फिर लापरवाही पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अपील डॉक्टरों ने लोगों से बासी और खुले खाद्य पदार्थ बच्चों को न खिलाने की सख्त सलाह दी है।

शिक्षकों को जनगणना का तीन दिवसीय प्रशिक्षण खत्म, रजौली नगर पंचायत में 21 से 24 अप्रैल तक दी गई जानकारी

रजौली। रजौली नगर पंचायत इंटर विद्यालय परिसर में शुक्रवार को तीन दिवसीय जनगणना प्रशिक्षण समाप्त हुई। फील्ड ट्रेनर संजीव रंजन और राजेश कुमार ने प्रगणक व सुपरवाइजर के रूप में उपस्थित सभी शिक्षकों को जनगणना के विषय में जानकारी दी। यह प्रशिक्षण 21 अप्रैल से शुरू होकर 24 अप्रैल तक चली। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को जनगणना से संबंधित उनके दायित्वों और कार्यों के बारे में बताया गया। इसमें मकान सूचीकरण,जनगणना मकानों की संख्या निर्धारित करने और नजरी नक्शे के उपयोग जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां शामिल थीं। इस प्रशिक्षण में कुल प्रगणक 46, पर्यवेक्षक 07, प्रशिक्षण कमरा संख्या 02, गणना ब्लॉक 46 शामिल थे। इस प्रशिक्षण में सहायक चार्ज पदाधिकारी राहुल कुमार ने बताया कि नगर पंचायत शिक्षकों और कर्मचारियों का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक संपन्न हो गया है। प्रशिक्षण में डिजिटल ऐप के उपयोग, मकानों की गणना और डेटा प्रविष्टि के बारे में बताया गया। अब 2 मई से घर-घर जाकर सर्वे शुरू होगा। नगर पंचायत कर्मी नवीन कुमार,चुनचुन कुमार,विक्की कुमार,कुंदन कुमार,शैलेश कुमारसहित कई अन्य अध्यापकगण उपस्थित रहे।

उत्तर बिहार के रेल यात्रियों को बड़ी राहत, मुजफ्फरपुर रूट की स्पेशल ट्रेनें होंगी नियमित, किराया घटेगा

मुजफ्फरपुर। उत्तर बिहार और मुजफ्फरपुर से यात्रा करने वाले रेल यात्रियों के लिए रेलवे बोर्ड ने एक बड़ा और राहत भरा फैसला लिया है। अब तक ह्यस्पेशलह्न के नाम पर चल रही कई ट्रेनों को नियमित करने की मंजूरी दे दी गई है। इस बदलाव के बाद यात्रियों को न सिर्फ कम किराया देना होगा, बल्कि सीट बुकिंग की सुविधा भी पहले से कहीं अधिक आसान हो जाएगी। रेलवे के इस निर्णय से मुजफ्फरपुर रूट से गुजरने वाली आधा दर्जन से अधिक ट्रेनों का दर्जा बदला जाएगा। अभी तक स्पेशल ट्रेन होने के कारण यात्रियों से अतिरिक्त किराया वसूला जाता था, लेकिन अब ये ट्रेनें सामान्य एक्सप्रेस ट्रेनों के किराए पर चलेंगी। साथ ही, ट्रेनों के नंबर के आगे लगा ह्य0ह्न हटाया जाएगा, जिससे इनके संचालन और पहचान में भी सरलता आएगी। यात्रियों के लिए सबसे बड़ी राहत रिजर्वेशन प्रणाली में होगी। पहले इन स्पेशल ट्रेनों में केवल 15 दिन पहले तक ही टिकट बुकिंग की सुविधा मिलती थी, जिससे अचानक यात्रा करने वाले यात्रियों को परेशानी होती थी। अब नियमित ट्रेनों में परिवर्तित होने के बाद यात्री 60 दिन पहले तक अपनी सीट बुक कर सकेंगे। रेलवे बोर्ड के निर्देश पर जोनल स्तर पर इस बदलाव की तैयारी तेजी से की जा रही है। रेलवे सूत्रों के अनुसार, इस सूची में बरौनी-नई दिल्ली एक्सप्रेस, दरभंगा-नई दिल्ली एक्सप्रेस और भागलपुर-गांधीधाम एक्सप्रेस जैसी महत्वपूर्ण ट्रेनों को शामिल किया जा सकता है। इसके अलावा कुछ ट्रेनों को आधुनिक अमृत भारत एक्सप्रेस रैक के साथ चलाने की भी योजना है, जिससे यात्रियों को अधिक आरामदायक सफर मिलेगा। रेलवे केवल ट्रेनों को नियमित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि बढ़ती भीड़ को देखते हुए कोचों की संख्या बढ़ाने पर भी विचार कर रहा है। इससे वेटिंग लिस्ट की समस्या कम होगी और अधिक यात्रियों को कन्फर्म सीट मिल सकेगी। रेलवे का उद्देश्य यात्रियों को सस्ती, सुविधाजनक और बेहतर रेल सेवा उपलब्ध कराना है।

राजस्व बढ़ाने के मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद सड़क पर उतरे एसएसपी साहब, छपरा में सघन वाहन जांच अभियान चला वसूला गया जुर्माना

एजेंसी। पटना

बिहार की वित्तीय स्थिति को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। जहां विपक्ष राज्य के खजाने को खाली बता रहा है, वहीं सरकार इन आरोपों को सिरे से खारिज कर रही है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने हाल ही में दावा किया था कि बिहार सरकार का खजाना खाली हो चुका है और राज्य पर करीब 4 लाख 10 हजार करोड़ रुपये का कर्ज है। उन्होंने यह भी कहा कि कर्मचारियों के वेतन और पेंशन तक के लिए पैसे नहीं हैं। वहीं, बिहार सरकार की ओर से इन दावों को गलत बताया गया है। उपमुख्यमंत्री बिजेन्द्र यादव ने स्पष्ट कहा कि राज्य की आर्थिक स्थिति मजबूत है और खजाना खाली नहीं है। 23 अप्रैल को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में वित्त एवं आंतरिक संसाधन विभाग की समीक्षा बैठक भी हुई, जिसमें राजस्व बढ़ाने पर जोर दिया गया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य की वित्तीय स्थिति को और बेहतर बनाने के लिए योजनाबद्ध तरीके से काम करें। इसी कड़ी में छपरा-सारण मुख्य मार्ग पर सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों से करीब 50 हजार रुपये का जुमार्ना वसूला गया। अभियान की खास बात यह रही कि जिले के एसएसपी विनित कुमार खुद सड़क पर उतरकर वाहनों की जांच करते नजर आए। छपरा-सारण मुख्य मार्ग से गुजरने वाली गाड़ियों के कागजात की जांच की गयी। दोपहिया और चारपहिया वाहनों को रोककर हेलमेट, ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन के रजिस्ट्रेशन सहित अन्य जरूरी कागजातों की जांच की गई। वहीं चारपहिया वाहनों में सीट बेल्ट के उपयोग को लेकर भी सख्ती बरती गई और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की गई। सारण जिले में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने और अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से बिहार पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर गुरुवार को व्यापक स्तर पर विशेष वाहन जांच अभियान चलाया गया। जिले के सभी थाना क्षेत्रों के साथ-साथ सीमावर्ती इलाकों में सुबह और शाम सघन जांच की गई, जिससे पूरे दिन पुलिस की सक्रियता नजर आई। इसी क्रम में छपराझ्रसिवान मुख्य मार्ग पर पुलिस द्वारा विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान दोपहिया और चारपहिया वाहनों को रोककर हेलमेट, ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन के रजिस्ट्रेशन सहित अन्य जरूरी कागजातों की जांच की गई। वहीं चारपहिया वाहनों में सीट बेल्ट के उपयोग को लेकर भी सख्ती बरती गई और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए लगभग 50 हजार रुपये का जुमार्ना वसूला गया। पुलिस ने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी। एसएसपी विनीत कुमार ने बताया कि यह अभियान जिले में विधि-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सभी थाना क्षेत्रों और बॉर्डर इलाकों में नियमित रूप से जांच अभियान चलाया जाएगा, ताकि अपराधियों की गतिविधियों पर नजर रखी जा सके। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि वाहन चलाते समय ट्रैफिक नियमों का पालन करें, आवश्यक दस्तावेज साथ रखें और सुरक्षा मानकों का पालन करें, ताकि सड़क दुर्घटनाओं से बचाव हो सके और सुरक्षित यातायात व्यवस्था कायम रह सके। अभियान के दौरान सारण एसएसपी विनीत कुमार, सदर एसडीपीओ राजकुमार सिंह, सदर इंस्पेक्टर कृपा शंकर, एकमा इंस्पेक्टर किरण शंकर, कोपा थाना अध्यक्ष संजीत कुमार, दाउदपुर थाना अध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर मौजूद रहे।

प्रेम-प्रसंग में मोबाइल टावर पर चढ़ गई युवती, 5 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस ने नीचे उतारा

एजेंसी। पटना

आजकल युवा वर्ग को ना जाने क्या हो गया है? हर बात पर ये लोग टावर पर चढ़ जा रहे हैं। कभी कोई मोबाइल टावर पर चढ़ जाता है, तो कोई बिजली के हाईटेंशन टावर पर चढ़कर शोले फिल्म के वीरू और बसंती की तरह अपनी मांगें मनवाने के लिए जिद्द करने लगता है। जब तक इनकी बातें नहीं मानी जाती तब तक ये टावर से नीचे नहीं उतरते हैं। इस दौरान घंटों हाईवोल्टेज ड्रामा होता रहता है। ऐसा ही ड्रामा आज अरवल जिले के करपी प्रखंड के रामकिसुन बिगहा गांव में देखने को मिला। जहां शुक्रवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब एक युवती प्रेम प्रसंग से आहत होकर मोबाइल टावर पर चढ़ गई। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के

लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई, जिससे अफरा-तफरी मच गयी। स्थानीय लोगों के अनुसार, युवती अपने प्रेम संबंध को लेकर मानसिक रूप से परेशान थी और इसी भावुकता में उसने यह कदम उठा लिया। जैसे ही लोगों ने उसे टावर पर चढ़ते देखा, तुरंत करपी थाना पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। करीब पांच घंटे तक चले इस अभियान में पुलिसकर्मियों और स्थानीय लोगों ने धैर्य और समझदारी का परिचय देते हुए युवती को समझाने की कोशिश की। अंततः काफी प्रयासों के बाद उसे सुरक्षित नीचे उतार लिया गया। रेस्क्यू के बाद युवती को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया, जहां उसकी काउंसलिंग की जा रही है। पुलिस के अनुसार, मामले की जांच जारी है और आगे की आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद इलाके में तरह-तरह की चचाएं हो रही हैं।

बिहार में स्व-गणना अभियान को रफ्तार, 20 लाख से अधिक परिवार जुड़े

एजेंसी। पटना

बिहार में जनगणना 2027 के तहत चल रहा स्व-गणना अभियान तेजी पकड़ चुका है। 17 अप्रैल से शुरू इस पहल में अब तक 20 लाख से अधिक परिवार जुड़ चुके हैं, जिनमें बड़ी संख्या ने अपनी जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर प्रक्रिया पूरी भी कर ली है। स्व-गणना में वैशाली जिला पहले नंबर है। जबकि मधुबनी दूसरे, खगड़िया तीसरे, भोजपुर चौथे और पटना पांचवें स्थान पर है। भारत की जनगणना 2027 के तहत राज्य में 17 अप्रैल से शुरू हुई स्व-गणना (Self Enumeration) अभियान को शुरूआती दिनों में ही अभूतपूर्व जनभागीदारी मिल रही है। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार राज्य में अब तक कुल 20 लाख 19 हजार 950 परिवार स्व-गणना से जुड़ चुके हैं। इनमें से 18 लाख 98 हजार 139 परिवारों ने प्रक्रिया पूरी कर ली है, जबकि 1,21,811 परिवारों ने स्व-गणना की शुरूआत की है। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि राज्य में स्व-गणना को लेकर लोगों में तेजी से जागरूकता और सहभागिता बढ़ रही है। विशेष रूप से वैशाली (3,55,447), मधुबनी (3,40,804) और खगड़िया (1,18,120) जैसे जिलों में उल्लेखनीय उत्साह देखा जा रहा है, जो राज्य में शीर्ष स्थान पर हैं। स्वगणना की यह पहल जनगणना प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी और डिजिटल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। विभागीय अधिकारियों का मानना है कि व्यापक जागरूकता अभियान के कारण आने वाले दिनों में इसमें और तेजी आएगी तथा अधिक से अधिक परिवार इस प्रक्रिया से जुड़ेंगे। स्व-गणना की यह प्रक्रिया 01 मई 2026 तक जारी रहेगी। इस अवधि में नागरिक अपने मोबाइल या लैपटॉप के माध्यम से एसई (रए) पोर्टल पर जाकर स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं और डिजिटल जनगणना को सफल बनाने में योगदान दे सकते हैं। इसके बाद 02 मई से 31 मई 2026 तक राज्य में मकान सूचीकरण एवं आवास गणना का कार्य प्रारंभ होगा, जिसके तहत प्रगणक प्रत्येक घर तक पहुंचेंगे। नागरिक स्व-गणना के बाद प्राप्त एसई आईडी प्रगणकों को उपलब्ध कराएं, जिससे डेटा का सही मिलान हो सके और पूरी प्रक्रिया अधिक सुगम एवं सटीक बन सके।

स्व-गणना में टॉप 10 जिले

वैशाली, 3,55,447	गोपालगंज, 85,699
मधुबनी, 3,40,804	औरंगाबाद, 71,644
खगड़िया, 1,18,120	पश्चिम चंपारण, 67,460
भोजपुर, 1,04,879	दरभंगा, 63,102
पटना, 91,547	रोहतास, - 52,720

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक, राजस्व बढ़ाने का दिया निर्देश

एजेंसी। पटना

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में वित्त विभाग तथा आंतरिक संसाधन से संबंधित विभागों की समीक्षा बैठक हुई। जिसमें दोनों डिप्टी सीएम विजय चौधरी और विजेन्द्र यादव मौजूद रहे। इस दौरान सीएम ने अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। कहा कि राज्य की वित्तीय स्थिति अच्छी है, इसे और बेहतर करने के लिये सभी विभाग सुनियोजित ढंग से काम करें। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में आज मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित संवाद में वित्त विभाग तथा आंतरिक संसाधन से संबंधित विभागों की समीक्षा बैठक हुई। समीक्षा के दौरान वित्त विभाग, वाणिज्यकर विभाग, खान एवं भूतत्व विभाग, नगर विकास एवं आवास विभाग, राजस्व एवं भूमि सुधार

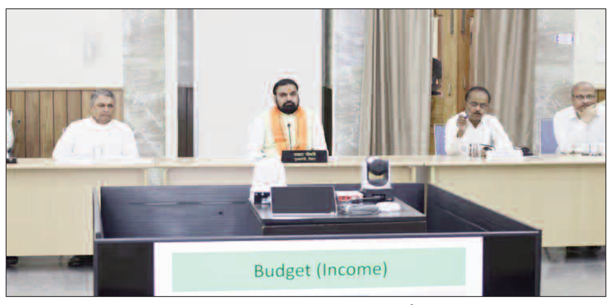

विभाग, मद्य निषेद्य, उत्पाद एवं निबंधन विभाग, परिवहन विभाग, पंचायती राज विभाग के अधिकारियों ने अपने-अपने विभाग का लक्ष्य एवं उसके अनुपात में किये गये राजस्व संग्रहण तथा अन्य उपलब्धि आदि के संबंध में प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी।समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की वित्तीय स्थिति अच्छी है, इसे और बेहतर करने के लिये सभी विभाग सुनियोजित ढंग से काम करें। राजस्व संग्रहण और संवर्द्धन को लेकर नवाचार करें और नई संभावनाओं को तलाशें। सभी विभागों में वित्तीय अनुशासन जरूरी है, इसे लेकर अपेक्षित कार्रवाई भी सुनिश्चित करें। संसाधनों का सदुपयोग जरूरी है। सरकार द्वारा विभिन्न विभागों के लिये जो भी लक्ष्य निर्धारित किया जाता है, उसे ससमय पूर्ण करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि राज्य का बजट आकार काफी बढ़ा है। राज्य में विकास के काफी काम किये जा रहे हैं। लोगों के हित में सरकार सभी जरूरी कदम उठा रही है।बैठक में उप मुख्यमंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, उप मुख्यमंत्री श्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, विकास आयुक्त श्री मिहिर कुमार सिंह, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के प्रधान सचिव श्री सी०के० अनिल, वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री आनंद किशोर, नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव श्री विनय कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री कुमार रवि, वाणिज्य कर विभाग के आयुक्त सह सचिव श्री संजय कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ० चन्द्रशेखर सिंह, परिवहन विभाग के सचिव श्री राजकुमार, भू-अभिलेख एवं सर्वेक्षण निदेशक श्री सुहर्ष भगत, खान एवं भूतत्व विभाग के निदेशक श्री मनेश कुमार मीणा सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

सम्राट सरकार का तोहफा: बिहार के 50 हजार जीविका समूहों को मिलेगा 10-10 लाख का लोन, महिला रोजगार को मिलेगी गति

बिहार में इस वित्तीय वर्ष 2026-27 के दौरान 50 हजार जीविका समूहों को बैंकों से 10-10 लाख रुपये का लोन दिया जाएगा। इन समूहों के पूर्व के बेहतर प्रदर्शन को देखते हुए यह सुविधा दी जा रही है, ताकि जीविका दीदियां अपने रोजगार को और विस्तार दे सकें। वहीं, चालू वित्तीय वर्ष में सभी जीविका समूहों को कुल 16 हजार करोड़ रुपये का लोन देने का लक्ष्य तय किया गया है। पिछले वित्तीय वर्ष 2025-26 में इन समूहों ने करीब 14 हजार करोड़ रुपये का लोन लिया था। राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 11 लाख जीविका दीदियां सक्रिय हैं और हर समूह में औसतन 12 सदस्य होते हैं। इस तरह जिन 50 हजार समूहों को 10-10 लाख रुपये का लोन मिलेगा, उनमें प्रत्येक सदस्य को औसतन एक लाख रुपये तक का लाभ होगा। जीविका अधिकारियों के अनुसार, समूहों के पिछले लोन और उनके प्रदर्शन के आधार पर आगे की ऋण राशि तय की जाती है। समूहों को चार श्रेणियों में लोन मिलता है..1.5 लाख, 3 लाख, 6 लाख और 10 लाख रुपये।

एक नजर

मुजफ्फरपुर में तिवारी गैंग के दो बदमाश गिरफ्तार हथियार भी बरामद, एक आरोपी हुआ फरार

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में मुरौल स्थित तिरहुत नहर पुल के समीप गुरुवार को वाहन चेकिंग के दौरान तिवारी गैंग के दो शातिर अपराधियों को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया गया, जबकि उनका एक साथी बाइक लेकर फरार हो गया। गिरफ्तार अपराधियों की पहचान पटना जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र निवासी छोटू मिश्रा और विकास कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से एक पिस्टल, तीन कारतूस और एक मोबाइल फोन बरामद किया है। इस संबंध में सकरा थाना कांड संख्या 240/26 दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। एसडीपीओ पूर्वी-2 (सकरा) मनोज कुमार सिंह ने बताया कि वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले में सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में लौतन गांव की ओर से एक बाइक पर सवार तीन युवकों को आते देखा गया। पुलिस को देखते ही तीनों भागने लगे। तत्परता दिखाते हुए पुलिस टीम ने पीछा कर दो अपराधियों को पकड़ लिया, जबकि बाइक चालक फरार हो गया। प्राथमिक पूछताछ में गिरफ्तार दोनों अपराधियों ने सकरा क्षेत्र में एक किसान से हुई 50 हजार रुपये की लूट में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। पुलिस के अनुसार, तीनों अपराधी किसी नई वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे। एसडीपीओ ने बताया कि गिरफ्तार दोनों अपराधी तिवारी गैंग के सक्रिय सदस्य हैं। इस गैंग का नेटवर्क बिहार के कई जिलों में फैला हुआ है और यह विशेष रूप से बैंक से पैसा निकालकर लौट रहे लोगों को निशाना बनाता है। सकरा इलाके में इस गैंग के करीब एक दर्जन सदस्य सक्रिय हैं, जो लूट और झपटमारी की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं।

रोहतास में निगरानी की कार्रवाई, 10 हजार की रिश्वत लेते प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी गिरफ्तार

रोहतास। रोहतास जिले में शुक्रवार को निगरानी विभाग ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के मुताबिक, राजपुर प्रखंड के प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी जनार्दन कुमार को 10 हजार रुपये घूस लेते पकड़ा गया है। गिरफ्तारी के बाद निगरानी टीम उन्हें आगे की कार्रवाई के लिए अपने साथ पटना ले गई।बताया जा रहा है कि जनार्दन कुमार, राजपुर प्रखंड के पैक्स प्रबंधक प्रशांत कुमार से पैक्स गोदाम के सत्यापन के लिए 10 हजार रुपये की रिश्वत मांग रहे थे। इस पर पैक्स प्रबंधक ने निगरानी विभाग से शिकायत की। शिकायत की जांच और सत्यापन के बाद निगरानी टीम ने जाल बिछाकर आरोपी अधिकारी को घूस लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई के बाद प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है और लोग इस कदम की सराहना कर रहे हैं।निगरानी डीएसपी के अनुसार, जनार्दन कुमार के खिलाफ विभाग को शिकायत मिली थी। जब इस शिकायत का सत्यापन किया गया, तो आरोप सही पाए गए। इसके बाद निगरानी टीम ने पूर्व नियोजित योजना के तहत कार्रवाई करते हुए आरोपी को रिश्वत की रकम के साथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद निगरानी टीम ने जनार्दन कुमार के सासाराम स्थित घर पर भी तलाशी ली। हालांकि तलाशी के दौरान कोई आपत्तिजनक सामान नहीं मिला। इसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई के लिए पटना ले जाया गया।

गोपालगंज में दिनदहाड़े ज्वेलरी शॉप में लूट की कोशिश फायरिंग में एक की मौत, ग्रामीणों ने बदमाशों को दबोचा

गोपालगंज। गोपालगंज में दिनदहाड़े ज्वेलरी दुकान में लूट की कोशिश के दौरान अपराधियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। हालांकि ग्रामीणों की बहादुरी से कई बदमाश पकड़े गए और बड़ी वारदात टल गई। गोपालगंज में दिनदहाड़े बेखौफ अपराधियों ने तांडव मचा दिया। बाइक सवार करीब पांच अपराधी भोरे थाना क्षेत्र के जगतौली ओपी अंतर्गत लाला छापर बाजार स्थित दीपक ज्वेलर्स की दुकान में घुसकर लूट की बड़ी वारदात को अंजाम देने पहुंचे। अपराधियों ने दुकान में घुसते ही दहशत फैलाने के लिए कई राउंड फायरिंग शुरू कर दी। लूट का विरोध होते ही अपराधियों ने अंधाधुंध गोलियां चलानी शुरू कर दीं, जिसकी चपेट में दो ग्रामीण आ गए। गोली लगने से एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे बेहतर इलाज के लिए गोरखपुर रेफर किया गया है। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी और आक्रोश का माहौल बन गया। गुस्साए ग्रामीणों ने साहस दिखाते हुए दो लुटेरों को मौके पर ही पकड़ लिया और जमकर उनकी पिटाई कर दी। वहीं बाकी अपराधी मौके से फरार हो गए, लेकिन भागने के दौरान एक बाइक छोड़ गए। आक्रोशित ग्रामीणों ने उस बाइक को आग के हवाले कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची और ग्रामीणों के चंगुल से पकड़े गए अपराधियों को छुड़ाकर अपने कब्जे में लिया। घायल अपराधियों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। वहीं हथुआ एसडीपीओ आनंद मोहन गुप्ता सहित कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की गहन जांच में जुट गई है। सदर एसडीपीओ प्रांजल ने बताया कि अपराधी लूटपाट की नीयत से दुकान में घुसे थे। स्थानीय लोगों के साहस और सहयोग से दो अपराधियों को मौके पर पकड़ लिया गया, जबकि बाद में तीन अन्य अपराधियों को भी दबोच लिया गया है। पुलिस गिरफ्तार अपराधियों से लगातार पूछताछ कर रही है और फरार बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस का कहना है कि इस वारदात में शामिल बाकी अपराधियों को भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पटना हाईकोर्ट का अहम फैसला : घर में कमाने वाला सदस्य है, तो अनुकंपा पर नहीं मिलेगी नौकरी

एजेंसी। पटना

पटना हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया है कि यदि मृतक सरकारी कर्मचारी के परिवार में पहले से कोई कमाने वाला सदस्य मौजूद है और उसकी आय से परिवार का भरण-पोषण संभव है, तो अनुकंपा के आधार पर नौकरी का दावा स्वीकार नहीं किया जा सकता। जस्टिस पार्थ सारथी की एकलपीठ ने सिद्धू कुमार की याचिका को खारिज करते हुए बेगूसराय जिला अनुकंपा समिति के फैसले को बरकरार रखा। कोर्ट ने कहा कि किसी सरकारी कर्मचारी की मृत्यु के बाद अनुकंपा नियुक्ति तभी दी जा सकती है, जब परिवार में कोई कमाने वाला सदस्य न हो और आजीविका का कोई साधन उपलब्ध न हो। इस मामले में समिति ने पहले ही याचिकाकर्ता के बड़े भाई के सरकारी नौकरी में होने के कारण आवेदन खारिज कर दिया था। सिद्धू कुमार ने अपने पिता बिनोद शर्मा, जो बीएसएपी में हवलदार थे और 10 मार्च 2016 को निधन हो गया था, की मृत्यु के बाद अनुकंपा नौकरी की मांग की थी। याचिकाकर्ता का कहना था कि उनका बड़ा भाई सचिन कुमार अलग रहते हैं और परिवार के भरण-पोषण में योगदान नहीं देते, इसलिए उन्हें नौकरी मिलनी चाहिए। मामले में 2022 में हाईकोर्ट ने डीजीपी, बिहार को निर्देश दिया था कि नीरज कुमार मलिक बनाम बिहार राज्य मामले के आलोक में पुनर्विचार किया जाए। इसके बाद जिला अनुकंपा समिति ने 28 जुलाई 2023 को पुनः सुनवाई कर आवेदन खारिज कर दिया। सरकार की ओर से अदालत में बताया गया कि सिद्धू कुमार के बड़े भाई जेल पुलिस में वार्डन हैं और नियमित वेतन प्राप्त कर रहे हैं। कोर्ट ने माना कि परिवार की आय पर्याप्त है, इसलिए अनुकंपा नियुक्ति का आधार नहीं बनता। इसी आधार पर अदालत ने याचिका को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया। अनुकंपा नियुक्ति के नियमों के अनुसार, सरकारी कर्मचारी की मृत्यु के बाद केवल पति, पत्नी, पुत्र या अविवाहित पुत्री ही पात्र होते हैं, और यह भी जरूरी है कि परिवार में कोई स्थायी कमाने वाला सदस्य न हो। साथ ही मृत्यु के पांच वर्षों के भीतर आवेदन करना आवश्यक होता है।

पटना के डबल डेकर से कूदने वाली युवती की हुई पहचान मां के डांटने के बाद घर से भागकर पहुंची थी पटना

एजेंसी। पटना

पटना के अशोक राजपथ स्थित डबल डेकर ब्रिज के ऊपर से एक 24 साल की युवती गुरुवार 23 अप्रैल को कूद गयी थी। जिसकी जान पुल के नीचे मौजूद लोगों ने किसी तरह बचा लिया था। आनन-फानन में उसे पीएमसीएच में भर्ती कराया गया जहां बुरी तरह घायल युवती का इलाज शुरू किया गया। पटना पुलिस ने उस युवती की पहचान कर ली गई है। उसने ऐसा कदम क्यों उठाया इस बात की जानकारी पुलिस ने दी है। पुलिस ने बताया कि मां ने बेटी की डांट फटकार लगायी थी। इसी बात से नाराज होकर युवती ने पटना के डबल डेकर पुल से छलांग लगा दी। पुल के नीचे मौजूद लोगों की सतर्कता से उसकी जान किसी तरह बच गयी। घटना पीरबहोर थाना क्षेत्र स्थित अशोक राजपथ के डबल डेकर पुल की है। युवती की पहचान शिवहर जिले के तरियानी निवासी 24 वर्षीय ज्ञानती कुमारी के रूप में हुई है। घटना के बाद इलाके में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गयी।

परिजनों के अनुसार, गुरुवार सुबह ज्ञानती अचानक घर से लापता हो गई थी। परिवार के लोग स्थानीय थाने में शिकायत दर्ज कराने की तैयारी कर रहे थे, तभी पटना से इस घटना की सूचना मिली। बताया जा रहा है कि ज्ञानती की मां शिवहर सिविल कोर्ट में अधिकार मित्र के पद पर कार्यरत हैं। मां के कोर्ट जाने के बाद ज्ञानती का घर से बाहर घूमने जाना आम बात हो गयी थी। इसी बात को लेकर हाल ही में मां ने उसे डांट-फटकार लगाई थी, जिससे नाराज होकर वह घर छोड़कर निकल गई। शिवहर से वो पटना पहुंच गयी और मां के डांटने से नाराज होकर डबल डेकर पुल के सबसे ऊपर से छलांग लगा दी। आनन-फानन में युवती को घायल अवस्था में पीएमसीएच में भर्ती कराया गया, जहां उसे होश आ गया है। हालांकि उसकी स्थिति अभी पूरी तरह सामान्य नहीं है और वह स्पष्ट रूप से कुछ बता नहीं पा रही है। पुलिस के मुताबिक, जैसे ही युवती बयान देने की स्थिति में आएगी, उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है और परिजनों से लगातार संपर्क बनाए हुए है।

अप्रैल में ही मई-जून जैसी गर्मी, बिहार के 10-12 शहरों में पारा 40 के पार, 6 जिलों में हीट वेव को लेकर यलो अलर्ट

एजेंसी। पटना

बिहार में मौसम ने समय से पहले ही अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। दो प्रमुख मौसमी परिस्थितियों पश्चिमी विक्षोभ की कमजोरी और बंगाल की खाड़ी से आने वाली नमीयुक्त पुरवा हवाओं के कमजोर पड़ने के कारण बारिश का सिस्टम नहीं बन पा रहा है। इसका असर है कि राज्य में अधिकतम तापमान असामान्य रूप से बढ़कर 45 डिग्री के आसपास पहुंच गया है, जिससे अधिकतर शहर भीषण गर्मी की चपेट में हैं। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, सामान्यतः इतना अधिक तापमान मई के दूसरे सप्ताह से जून के मध्य के बीच देखने को मिलता है। एक साथ 10 से 12 शहरों का तापमान 40 से

45 डिग्री के बीच पहुंचना स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से गंभीर चेतावनी है। पर्यावरणविद और जलवायु विशेषज्ञ डॉ. प्रधान पार्थ सारथी के मुताबिक, पर्वतीय इलाकों में बर्फबारी के लिए पश्चिमी विक्षोभ जिम्मेदार होते हैं। जब ये मजबूत रहते हैं तो मैदानी क्षेत्रों में बारिश की स्थिति बनती है, जिससे तापमान नियंत्रित रहता है। इस वर्ष बारिश के दिनों में कमी देखी गई है। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक आशीष कुमार के अनुसार, मार्च-अप्रैल के दौरान अब तक 10 से 12 दिन बारिश हो जानी चाहिए थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अप्रैल-मई में आमतौर पर बंगाल की खाड़ी से आने वाली पुरवा और शुष्क पछुआ के मेल से दोपहर बाद बारिश का सिस्टम बनता है, लेकिन इस बार यह प्रक्रिया कमजोर रही है। हालांकि झारखंड तक पुरवा हवाओं की पहुंच बेहतर बनी हुई है। विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि भौगोलिक परिस्थितियां इस स्थिति को और गंभीर बना रही हैं। पहले गया को बिहार का सबसे गर्म शहर माना जाता था, लेकिन हाल के वर्षों में बक्सर में सबसे अधिक तापमान दर्ज किया जा रहा है। बक्सर अब पछुआ हवाओं के प्रवेश द्वार के रूप में उभर रहा है, जिससे उत्तर प्रदेश और दक्षिण-पश्चिम बिहार के हिस्से ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं।पटना सहित शहरी क्षेत्रों में बढ़ते तापमान का असर और भी अधिक स्पष्ट है। दिन में पछुआ हवाएं गर्मी लेकर आती हैं, जिन्हें ऊंची इमारतें अवशोषित कर लेती हैं। शाम के समय जब पुरवा हवाएं चलती भी हैं, तब भी वे इन इमारतों के उष्म प्रभाव को कम नहीं कर पातीं। साथ ही, ये इमारतें नमी को भी सोख लेती हैं। कंक्रीट संरचनाओं की बढ़ती संख्या के कारण तापमान का प्रभाव और अधिक तीव्र होता जा रहा है। मौसम विभाग ने आज बिहार के 6 जिलों में हीट वेव को लेकर यलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहने की संभावना है, जिससे लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ेगा। वहीं, 5 जिलों में मौसम थोड़ा राहत भरा रह सकता है, जहां बूंदाबांदी या आंशिक रूप से बादल छाए रहने के आसार हैं। राज्य के अन्य हिस्सों में तेज धूप के साथ उमस भरी गर्मी बनी रहेगी, जिससे लोगों की परेशानी और बढ़ सकती है।

बेतिया में पोल से टकराई बाइक, दो चचेरे भाइयों की दर्दनाक मौत, एक की हालत नाजुक

एजेंसी। पटना

बेतिया से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। लौरिया थाना क्षेत्र के मठिया मंगूराहा चौक के समीप गुरुवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में खुशियां पलभर में मातम में बदल गईं। शादी समारोह से लौट रहे तीन युवक तेज रफ्तार बाइक पर सवार थे, तभी अनियंत्रित होकर उनकी बाइक सड़क किनारे बिजली के पोल से जा टकराई। हादसे में दो चचेरे भाइयों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तत्काल लौरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। वहां चिकित्सकों ने कुंदन कुमार (26) और प्रिंस कुमार (13) को मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल विवेक मांझी (16) को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए जीएमसीएच बेतिया रेफर किया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, योगापट्टी थाना क्षेत्र के छोटा चौमुखा गांव निवासी भरत राम के पुत्र रमेश कुमार की शादी में शामिल होने के लिए तीनों युवक सिसई गांव गए थे। देर रात लौटते समय मठिया मंगूराहा चौक के पास बाइक अनियंत्रित होकर सीधे बिजली के खंभे से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कुंदन और प्रिंस ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। मृतकों में कुंदन कुमार, गामा राम के पुत्र थे, जिनकी शादी इसी वर्ष 13 मार्च को बेतिया के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के करनमया गांव में हुई थी। शादी के महज एक महीने बाद ही उनकी मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। वहीं अर्जुन राम के पुत्र प्रिंस कुमार कक्षा 7 का छात्र था और अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। उसकी असमय मौत ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। घायल विवेक मांझी, शिवशंकर मांझी के पुत्र हैं, जिनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है और उनका इलाज जारी है। घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। लौरिया थानाध्यक्ष रमेश कुमार शर्मा ने बताया कि प्रथम दृष्टया हादसे का कारण बाइक की तेज रफ्तार और चालक का नियंत्रण खोना प्रतीत हो रहा है।